लखनऊ

शनिवार, 4 अक्टूबर, 2025

वर्ष : 11 | अंक : 84

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

सबको उसी तराजू में तोलिए जिसमें खुद को तोलते हो, फिर देखना लोग उतने भी बुरे नहीं हैं जितना हम समझते हैं।

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 27° Low

राष्ट्रपति ने किया रावण दहन, 'ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद पर मानवता की विजय बताया

नई दिल्ली, एजेंसी।। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को श्री धार्मिक लीला समिति द्वारा विजयादशमी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने मंच से रावण के पुतले पर तीर चलाकर बुराई के अंत का संदेश दिया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने दशहरे के धार्मिक और सामाजिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल रावण के वध की स्मृति मात्र नहीं है। यह अच्छाई की बुराई पर, विनम्रता की अहंकार पर और प्रेम की घृणा पर विजय का संदेश देता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने हाल ही में भारतीय सेना द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि जब आतंकवाद का दानव मानवता पर प्रहार करता है, तब उसका दमन करना अनिवार्य हो जाता है। भारतीय सेना का 'ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के रावण पर मानवता की विजय का प्रतीक है। इसके लिए हम भारत माता की रक्षा में तैनात सभी सैनिकों को नमन करते हैं और उनका आभार व्यक्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष दशहरे पर हम रावण का पुतला जलाते हैं, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि लोग अपने भीतर के रावण, जैसे घृणा, अहंकार, लालच और ईर्ष्या को खत्म करें। जब तक हम अपने अंदर की बुराई को खत्म नहीं करेंगे, तब तक असली विजयादशमी अधूरी रहेगी। हमें ऐसा प्रयास करना होगा कि देश में सुख, शांति, आनंद और प्रेम की नदियां बहें।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्लीवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें हर साल यह याद दिलाता है कि चाहे बुराई कितनी भी प्रबल क्यों न हो, अंततः जीत सदैव सत्य और धर्म की होती है। विजयादशमी नवरात्रि और दुर्गा पूजा उत्सवों के समापन का प्रतीक है। यह भगवान राम की राक्षसराज रावण पर विजय और देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय का प्रतीक है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह दिन नई शुरुआत और नवीनीकरण का है। वहीं, यह अहंकार और अन्याय जैसे नकारात्मक गुणों के विनाश का भी प्रतीक है।

आध्यात्मिक रूप से दशहरा इस विश्वास को पुष्ट करता है कि अंततः धर्म और सत्य की ही बुराई पर विजय होती है, चाहे अंधकार की शक्तियां कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हों। जैसे-जैसे पुतले जलते हैं और उत्सव शुरू होता है, संदेश स्पष्ट रहता है, अच्छाई की हमेशा बुराई पर विजय होती है।

संक्षेप

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम! ISI से जुड़ा शख्स गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

पंजाब। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के एजेंटों के कथित संपर्क में रहने वाले एक व्यक्ति को दो हथगोले के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तरनतारन निवासी रविंदर सिंह उर्फ रवि को गिरफ्तार किया और उसके पास से दो हथगोले बरामद किए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान के आईएसआई एजेंटों के संपर्क में था और उसे सीमा पार से यह खेप मिली थी। डीजीपी ने बताया कि अमृतसर के घरिंडा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव ने कहा कि पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जाँच जारी है। उन्होंने आगे कहा पंजाब पुलिस आतंकवादी नेटवर्क को बेअसर करने, संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य भर में शांति एवं जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले बुधवार को, सीमा सुरक्षा बल ने अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर 3 किलोग्राम से अधिक आइस ड्रग (मेथैम्फेटामाइन) बरामद किया, एक अधिकारी ने बताया। बुर्ज गाँव के पास एक इलाके में तलाशी अभियान के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने 3.165 किलोग्राम वजन के नशीले पदार्थों से भरा एक बैग बरामद किया। एक अन्य घटना में बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में तरनतारन जिले के दल गाँव के पास एक खेत से एक ड्रोन और 580 ग्राम वजन की हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया। अधिकारी ने कहा कि ये बरामदगी सीमा पार नशीले पदार्थों की आपूर्ति के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने वाले पाकिस्तानी तस्करों के दुर्भावनापूर्ण प्रयासों को विफल करने के बीएसएफ के निरंतर प्रयासों का प्रतीक है।

अमेरिकी टैरिफ पर वित्त मंत्री बोलीं- भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, वैश्विक झटकों को झेलने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है, ऐसे समय में भी भारत की स्थिति मजबूत है और भारतीय अर्थव्यवस्था इन बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम है। वित्त मंत्री ने कहा कि दुनियाभर के देशों के सामने अनिश्चितता का माहौल है। देशों को इस अनिश्चितता के माहौल से भी निपटना है और साथ ही व्यापार, वित्त और ऊर्जा असंतुलन का भी सामना करना एक बड़ी चुनौती है। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा 'भू-राजनीतिक संघर्ष तेज हो रहे हैं। प्रतिबंध, टैरिफ और अलगाव की रणनीतियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को नया आकार दे रही हैं। भारत के लिए, ये बदलाव चिंताजनक भी हैं, लेकिन साथ ही हमारे जुझारूपन को भी उजागर करते हैं। बाहरी झटकों को झेलने की हमारी क्षमता मजबूत है और हमारी आर्थिक क्षमता भी विकसित हो रही है।' सम्मेलन में 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर सत्र को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 'युद्ध और रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता, सहयोग और संघर्ष को फिर से परिभाषित कर रही हैं।

'इस बार नक्शे से मिटा देंगे, संयम नहीं बरतेंगे', आर्मी चीफ की पाकिस्तान को चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है कि वो आतंकवाद का समर्थन बंद कर दे नहीं तो अपनी भौगोलिक उपस्थिति गंवा देगा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि अगर पाकिस्तान को नक्शे पर अपनी जगह बनाए रखनी है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद बंद करना होगा।

राजस्थान के अनूपगढ़ में बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, 'एक देश के रूप में भारत पूरी तरह से तैयार है। इस बार हम ऑपरेशन सिंदूर 1.0 जैसा संयम नहीं रखेंगे। इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि वो भूगोल में रहना चाहता है या नहीं। अगर पाकिस्तान भूगोल में रहना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद रोकना होगा।'

'जवानों तैयार रहना है, तैयारी पूरी है'

उन्होंने जवानों से तैयार रहने को भी कहा। सेना प्रमुख ने कहा, 'अगर ईश्वर ने चाहा तो आपको जल्द ही मौका मिलेगा। शुभकामनाएं।' जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों की मौजूदगी के सबूत दिए थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत ये सबूत उजागर न करता, तो पाकिस्तान ये सब छिपा लेता। सेना प्रमुख ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, तो पूरी दुनिया उसके साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें से सात थलसेना ने और दो वायुसेना ने।

'सीमा पर रहने वाले नागरिक आम नागरिक नहीं, सैनिक हैं'

अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास रहने वालों से अपनी अपील के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, 'हम सीमा पर रहने वाले लोगों को आम नागरिक नहीं, बल्कि सैनिक मानते हैं। इसका मतलब है कि वे लड़ाई में हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आने वाला संघर्ष राष्ट्र का संघर्ष है, केवल सेना का नहीं।'

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने दिया था पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब

जनरल द्विवेदी की यह चेतावनी एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की उस टिप्पणी के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय सेना ने मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका निर्मित एफ-16 और चीनी जेएफ-17 सहित चार से पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद करारा जवाब देने के लिए भारत की ओर से बड़ा सैन्य अभियान चलाया गया। 7 मई की सुबह-सुबह सैन्य अभियान के तहत भारतीय सेना ने लंबी दूरी के सटीक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान और पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) में नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया।

भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा लोकतंत्र पर हमला है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र पर टिप्पणी की है। उन्होंने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा 'लोकतंत्र पर हमला' है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में कई धर्म, परंपराएं और भाषाएं हैं। लोकतांत्रिक प्रणाली इन सभी को स्थान देती है, लेकिन अभी भारत में लोकतंत्र पर हर तरफ से हमला हो रहा है। भारत की वैश्विक भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा, भारत की 1.4 अरब की आबादी में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन भारत का ढांचा चीन से बिल्कुल अलग है। चीन एक केंद्रीकृत और एकरूप प्रणाली वाला देश है, जबकि भारत में अनेक भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और धर्म हैं। भारत की व्यवस्था कहीं अधिक जटिल है।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है और वह बहुत आशावादी हैं। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने कहा, भारतीय संरचना में भी कई कमियां हैं, कुछ जोखिम हैं, जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि भारत अपने सभी लोगों के बीच संवाद का केंद्र है। विभिन्न परंपराओं, धर्मों और विचारों को जगह की जरूरत होती है। उस जगह को बनाने का सबसे अच्छा तरीका लोकतांत्रिक व्यवस्था है। वर्तमान में भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला हो रहा है। इंजीनियरिंग के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत, चीन का पड़ोसी और अमेरिका का घनिष्ठ साझेदार है। हम बिल्कुल उस जगह पर बैठे हैं, जहां ताकतें आपस में टकरा रही हैं। अमेरिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ध्रुवीकरण अभियान ज्यादातर बेरोजगारों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, भारत में आर्थिक विकास के बावजूद, हम रोजगार देने में असमर्थ हैं, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था सेवा-आधारित है और हम उत्पादन करने में असमर्थ हैं।

कंगना रनौत ने राहुल गांधी को बताया 'कलंक', बोलीं- जहां जाते हैं, भारत को बदनाम करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। कंगना ने राहुल गांधी को 'देश पर एक कलंक' बताते हुए आरोप लगाया है कि वह हर मंच पर जाकर भारत को बदनाम करते हैं।

राजधानी दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, वह (राहुल गांधी) एक कलंक हैं। सब जानते हैं कि वह हर जगह देश को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर वह देश की आलोचना कर रहे हैं, कह रहे हैं कि यहां के लोग झगड़ालू हैं, ईमानदार नहीं हैं, तो इन सब बातों से वह यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत के लोग नासमझ हैं। इसीलिए मैं उन्हें कलंक कहती हूं। वह हमेशा देश को शर्मसार करते हैं और देश को भी उन पर शर्म आती है।

दरअसल, कंगना रनौत आज (2 अक्टूबर) गांधी जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर दिल्ली में खादी खरीदने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि मैंने खादी की साड़ी और खादी का ब्लाउज पहना है। हमारे स्वदेशी कपड़ों की आज पूरी दुनिया में भारी मांग है। जैसा कि प्रधानमंत्री कहते हैं, आत्मनिर्भर होने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में अपील की थी कि हमें 2 अक्टूबर को खादी खरीदनी चाहिए, इसलिए उनके शब्दों का सम्मान करते हुए हम आज यहां आए हैं। इसी कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने राहुल गांधी पर यह विवादित टिप्पणी की।

रक्षा मंत्री ने जैन समुदाय की मेहनत और योगदान को सराहा, कहा- भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री

हैदराबाद। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार जैन समुदाय की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की कुल आबादी में जैन समुदाय की हिस्सेदारी सिर्फ 0.5% है, लेकिन देश के कुल टैक्स संग्रह में उनका योगदान करीब 24% है। वे हैदराबाद में 'जिटो कनेक्ट 2025' नामक तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समुदाय के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जैन समुदाय की सोच और दर्शन भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समाज के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन समुदाय का इतिहास भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का एक अनमोल उदाहरण है। उन्होंने इस समुदाय की भूमिका को भारत की सांस्कृतिक विरासत में बहुत महत्वपूर्ण बताया।

भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री: राजनाथ सिंह

उन्होंने आगे कहा कि जैन समुदाय ने देश के फार्मा, विमानन और शिक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है और इन क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आज खिलौनों से लेकर टैंकों तक लगभग हर चीज बनाने लगा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत पूरी दुनिया का फैक्ट्री बन जाएगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जैन समुदाय की भूमिका को सराहा और कहा कि उनके प्रयासों से भारत की प्रगति और मजबूती को बल मिला है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, पत्नी ने की बिना शर्त रिहाई की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता और नेता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग करते हुए उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वांगचुक को 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने पति की गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से सोनम वांगचुक की बिना शर्त रिहाई का आदेश जारी करने की अपील की।

याचिका में गीताजंलि ने सोनम की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया है। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते बाद भी गिरफ्तारी के आधार नहीं मिले और न ही सोनम की कोई जानकारी मिल रही है। ?सोनम की पत्नी ने हैबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षी) याचिका दाखिल कर तत्काल रिहाई की मांग की। ?सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से मामले में जल्द सुनवाई की मांग की जा सकती है।

इससे पहले, बुधवार को गीतांजलि अंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक भावुक पत्र लिखा और पति की रिहाई की मांग की। पत्र में उन्होंने लिखा, मेरे पति को पिछले 4 साल से लोगों के हितों के लिए काम करने की वजह से बदनाम किया जा रहा है। वह कभी भी किसी के लिए खतरा नहीं बन सकते। उन्होंने कहा कि वह नहीं जानतीं कि उनके पति किस हालात में हैं।

बता दें कि केंद्र शासित प्रदेश में 24 सितंबर को हुई हिंसा के मामले में चार लोगों की जान चली गई थी। यह हिंसा लेह में लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई। करीब 90 लोग हिंसा के दौरान घायल हुए थे।

26 सितंबर को सोनम वांगचुक को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया। इसके बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में भेजा गया। इसके अलावा, प्रशासन ने चार लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों ने न्यायिक जांच की मांग उठाई थी।

इसी महीने शुरू होगी भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट सेवा, पांच साल बाद हो रही बहाल

नई दिल्ली/बीजिंग। भारत और चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट सेवाएं पांच साल बाद अक्टूबर के अंत तक फिर से शुरू हो सकती हैं। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत और चीन के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण इस साल की शुरुआत से दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाओं को फिर से शुरू करने और एक संशोधित हवाई सेवा समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। यह भारत सरकार की दोनों देशों के बीच संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य करने की नीति का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, इन चर्चाओं के बाद अब यह सहमति बनी है कि भारत और चीन के बीच नामित स्थानों को जोड़ने वाली डायरेक्ट फ्लाइट सेवाएं अक्टूबर 2025 के अंत तक शुरू हो सकती हैं। यह शीतकालीन मौसम की समय-सारिणी के अनुसार होगा, बशर्ते दोनों देशों की नामित एयरलाइंस का व्यावसायिक निर्णय और सभी परिचालन मानदंड पूरे हों। बयान में आगे कहा गया, नागरिक विमानन प्राधिकरणों के इस समझौते से भारत और चीन के बीच लोगों के बीच संपर्क को और बढ़ावा मिलेगा, जिससे द्विपक्षीय आदान-प्रदान को धीरे-धीरे सामान्य बनाने में मदद मिलेगी। सीधी उड़ानें डोकलाम विवाद के बाद बंद कर दी गई थीं और कोविड-19 महामारी के कारण इसे और आगे टाला गया।

पिछले महीने, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान तियानजिन में अपनी बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वार्ता, विश्वास-निर्माण उपायों और क्षेत्रीय जुड़ाव को प्राथमिकता देने के दोनों देशों के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर विचार किया था। बैठक का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना तथा भारत-चीन संबंधों में हाल की प्रगति को आगे बढ़ाना था। दोनों देशों ने 3,500 किमी लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के नियमों पर सहमति बनाई, जिससे चार साल पुराना सीमा विवाद कम हुआ। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पिछले साल हुए समझौते और सीमा पर शांति बनाए रखने की सराहना की। उन्होंने आपसी सहमति से सीमा मुद्दे का उचित समाधान निकालने और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों नेताओं ने इस महीने की शुरुआत में विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का समर्थन करने पर भी सहमति जताई।

सिर...सीने और पेट में मारीं गोलियां, कत्ल करने से पहले कपड़ा व्यापारी संग दोस्तों ने किया ये काम, फिर मारा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र के गांव नरहाड़ा के जंगल में कपड़ा विक्रेता आदिल (25) की तीन गोलियां मारकर हत्या करने वाले आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं हो सके हैं। हत्या की वारदात का सोशल मीडिया पर फोटो वायरल कर दहशत फैलाई गई। फोटो में आदिल को गोली मारने वाले युवक की पहचान उसके दोस्त जुलकमर के रूप में हुई है।

मंगलवार को हमजा की बाइक पर आदिल देखा गया था। उसके साथ जुलकमर भी था। पुलिस का कहना है कि दोनों ने ही आदिल की हत्या की है। दोनों पर एसएसपी ने 25 हजार का इनाम घोषित किया है। हत्या का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं हो सका है।

मृतक के भाई फाजिल ने हमजा, जुलकमर के अलावा कॉलोनी के इमरान, सलमान, नवाब, शावेज, इकबाल के खिलाफ हत्या का नामजद केस दर्ज कराया है। लोहियानगर थाने की दो, सर्विलांस, स्वाट के अलावा लिसाड़ी गेट थाने की टीम को भी लगाया है। पुलिस ने आरोपियों पर दबाव बनाने के लिए चार लोगों को हिरासत में लिया है।

पानी की हौद पर मिला था शव

लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के राधने वाली गली का रहने वाला कपड़ा विक्रेता आदिल मंगलवार से लापता था। बुधवार सुबह उसका शव नरहाड़ा से बिजली बंबा बाईपास जाने वाली सड़क से करीब 200 मीटर अंदर चकरोड किनारे नरहाड़ा के किसान उपदेश बैंसला के नलकूप पर पानी की हौद पर मिला था।

गोली मारने वाले युवक की पहचान

उसकी तीन गोलियां मारकर हत्या की गई थी। एएसपी अंतरिक्ष जैन ने बताया कि वायरल फोटो सही है। फोटो में नीचे पड़े आदिल को पिस्टल से गोली मारने वाले युवक की पहचान उसके दोस्त जुलकमर के रूप में हुई है। जुलकमर और हमजा दोनों आदिल के दोस्त हैं।

एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि दोस्तों ने ही आदिल की हत्या की है। खुलासे के लिए अब पांच टीम लगाई गई हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में लिए हैं। मृतक के मोबाइल फोन की सीडीआर निकलवाई गई है।

पिटाई करके फिर गोली मारी

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आदिल के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। हत्यारोपियों ने उसकी पहले पिटाई की और इसके बाद सिर, सीने और पेट में गोलियां मारीं। पेट और सीने की गोली शरीर से पार निकल गई। जबकि सिर में लगी गोली पोस्टमार्टम में मिली है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किया लाइव मर्डर

हैरानी की बात यह है कि आरोपियों को इस हत्या को अंजाम देते वक्त कानून का जरा भी खौफ नहीं था। हत्यारे ने इस वारदात का लाइव वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिए। वायरल हुए वीडियो में एक युवक नीचे पड़े आदिल को पिस्तौल से गोली मारते हुए दिखाई दे रहा है।

उंटगन नदी हादसा : 13 लोग डूबे, पांच की लाशें मिलीं....भाजपा सांसद चाहर पर भड़के ग्रामीण, मुर्दाबाद के लगाए नारे

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उंटगन नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान 13 युवक डूब गए, जिनमें से एक को बचा लिया गया। पांच की लाशें अब तक निकाली जा चुकी हैं। वहीं अभी अन्य युवकों की तलाश की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद जहां पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी गांव में डेरा जमाए हुए थे, तो वहीं हादसे के अगले दिन भाजपा सांसद राजकुमार चाहर मौके पर पहुंचे, तो ग्रामीण भड़क गए।

गांव के लोगों ने सांसद राजकुमार चाहर का घेराव कर लिया। इस दौरान सांसद मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। ग्रामीणों के गुस्से के आगे सांसद शांत खड़े रहे। उनके पास देरी से आने का कोई जवाब तक नहीं था। हालांकि उनके कुछ समर्थक ग्रामीणों को समझाते हुए नजर आए। लेकिन ग्रामीणों के दर्द और गुस्से की आग शांत होने का नाम नहीं ले रही थी। ग्रामीणों में गुस्सा इस कदर है कि खेरागढ़ कस्बे में लगे सांसद राजकुमार चाहर और भाजपा जिलाध्यक्ष के पोस्टर पर कालिक पोत दी गई।

33 महीने बाद जेल से बाहर आए सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी परिवार संग पहुंचे देवा

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। कानपुर के सीसामऊ से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी 33 महीनों की जेल के बाद जमानत से बाहर आ गए हैं। बृहस्पतिवार देर रात अचानक देवा स्थित हाजी वारिस अली शाह की दरगाह पर जियारत के लिए पहुंचे। खास बात यह रही कि उनका आगमन पूरी तरह गुप्त रखा गया। यहां तक कि स्थानीय सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी इसकी भनक नहीं लगी।

इरफान सोलंकी अपनी पत्नी और परिवार के साथ दरगाह पहुंचे। बताया जा रहा है कि परिवार ने उनकी रिहाई के बाद सबसे पहले देवा शरीफ में चादर चढ़ाने का मान रखा था। पुलिस को भी उनके आने की जानकारी सुबह तक नहीं थी।

करीब 33 महीने जेल में रहने के बाद इरफान को हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। उन पर आगजनी, जमीन कब्जाने, रंगदारी व फर्जी दस्तावेज तैयार करने जैसे कई गंभीर आरोपों में मामले दर्ज थे। अधिकांश मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी थी लेकिन गैंगस्टर एक्ट में अटके मामले के चलते उनकी रिहाई लंबित थी। मंगलवार को जेल से बाहर आने के बाद उनका यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम माना जा रहा है। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं।

दिलचस्प यह भी है कि देवा शरीफ में जेल से रिहा होने के बाद चादर चढ़ाने की परंपरा पहले भी देखने को मिली है। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की रिहाई के बाद उनके पिता सुनील दत्त भी यहां चादर चढ़ाने पहुंचे थे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्रा बनी एक दिन की सीएमओ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मिशन शक्ति अभियान (5वां चरण) के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण को व्यवहारिक रूप से समाज तक पहुँचाने के उद्देश्य से शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025 को एक विशेष पहल की गई। इस पहल के तहत पीएम श्री केशकुमारी बालिका इंटर कॉलेज, सुलतानपुर की छात्रा श्रेया को एक दिन के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं अदिति तिवारी को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी और आयुषी पाण्डेय को उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी की प्रतीकात्मक जिम्मेदारी दी गई।

छात्राओं ने कार्यभार संभालते ही सबसे पहले कार्यालय की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया और विलंब से आने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को समय से उपस्थित होने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। बैठक के दौरान छात्राओं ने महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य योजनाओं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार आदि की समीक्षा की और इन योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व कौशल विकसित करना और उन्हें समाज में जिम्मेदार भूमिकाओं के लिए तैयार करना है।

'दंगों के गुनहगारों पर इतनी लाठियां बरसेंगी कि सात पुश्तें दंगा करना भूल जाएंगी', मंत्री ने दिया बयान

आर्यावर्त संवाददाता

अमेठी। अमेठी के गौरीगंज स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में शुक्रवार को भाजपा जिला कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य राज्यमंत्री एवं तिलोई विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह, अमेठी प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री समेत भाजपा और संघ के पदाधिकारी तथा जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी योजनाओं की रूपरेखा पर चर्चा हुई। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भी विस्तृत विमर्श हुआ। अधिकारियों और पदाधिकारियों ने कार्यक्रमों को सफल बनाने की रणनीति साझा की। बैठक के बाद स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने बरेली में हुए दंगे पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध और अराजकता फैलाने वालों पर किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा, "दंगों में शामिल हर गुनाहगार को कड़ी सजा दी जाएगी और ऐसे लोगों पर इतनी लाठियां बरसेंगी कि आने वाली पुश्तें भी दंगा करना भूल जाएंगी।" मंत्री ने आगे कहा कि अमेठी में विकास की गति तेज करने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार एक ओर जहां कानून व्यवस्था को मजबूत बना रही है, वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों और सामाजिक कार्यक्रमों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

डांडिया नाइट विवाद थमा, प्रशासन ने अनुमति की निरस्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले में दुर्गा पूजा महोत्सव के बीच उठे डांडिया नाइट विवाद पर आखिरकार प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। 3 अक्टूबर को सरस्वती मैरिज लॉन, महुवरिया रोड और 4 अक्टूबर को शंकर मैरिज लॉन में होने वाले डांडिया नाइट कार्यक्रम की अनुमति अपर जिला अधिकारी प्रशासन गौरव शुक्ला, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह और एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी ने निरस्त कर दी है। राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ ने शुरुआत से ही इस आयोजन का विरोध करते हुए कहा था कि "दुर्गा पूजा जैसे आस्था और परंपरा के पर्व पर इस प्रकार के संदिग्ध आयोजन हिंदू समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ हैं। महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा को देखते हुए ऐसे कार्यक्रमों को किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।"उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि प्रशासन ने इस आयोजन को नहीं रोका तो विरोध और तेज होगा। विश्व हिंदू परिषद ने भी प्रशासन को चेताया था कि दुर्गा पूजा जैसे धार्मिक अवसर पर सामुदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले कार्यक्रमों को अनुमति नहीं दी जा सकती। खासकर तब, जब आयोजकों द्वारा मुस्लिम युवाओं को टिकट दिए जाने जैसी बातें सामने आ रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। स्थानीय नागरिकों ने भी 40þ मनोरंजन कर वसूले जाने और संदिग्ध तत्वों की भागीदारी को लेकर तीखी आपत्ति जताई। लगातार बढ़ते जनविरोध और संगठनों की आपत्तियों के चलते प्रशासन पर दबाव बढ़ता गया। विवाद को देखते हुए प्रशासन ने दोनों तारीखों पर प्रस्तावित डांडिया नाइट कार्यक्रम की अनुमति रद्द कर दी। अधिकारियों ने साफ किया है कि "यदि कोई आयोजन धार्मिक वातावरण और सामाजिक सौहार्द में व्यवधान डालता है, तो जिम्मेदार लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सुलतानपुर का दुर्गा पूजा महोत्सव, जिसे कोलकाता के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा आयोजन माना जाता है।

पुलिसवालों ने मना किया था...कैसे खींच ले गई मौत, उटंगन नदी हादसे की पूरी दास्तां

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के खेरागढ़ स्थित उटंगन नदी में बृहस्पतिवार को मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जित की जा रही थीं। उसी दौरान शोर मचा। नदी में एक-एक कर छह से सात युवक डूबने लगे। ये दृश्य देख गांव के अन्य युवक उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद गए। 13 युवक नदी के भवंर में इस कदर फंस गए, जिसमें से वो निकल ही नहीं पाए। शोर और चीखों के बीच बेवस लोग मौत का मंजर देखने के अलावा कुछ न कर सके। पुलिस जब तक पहुंची, बहुत देर हो चुकी थी।

खेरागढ़ गांव कुसियापुर डूंगरवाला के रहने वाले प्रत्यक्षदर्शी आकाश ने बताया कि जब वे मौके पर पहुंचे, तो तीन लोग डूब रहे थे। वे तत्काल ही रस्सा लेकर गए। उन्होंने रस्सा नदी में डाल दिया। उनमें से एक युवक को सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन अन्य को नहीं बचा सके। उन्होंने बताया कि उटंगन में गड्ढा था, जिसका किसी को अंदाजा नहीं था।

वहीं प्रत्यक्षदर्शी मुकेश ने बताया उनका छोटा भाई किशन सिंह और चाचा का बेटा भी उटंगन में डूब गया। इन सभी को गड्ढा नहीं दिखाई दिया। मूर्ति की विसर्जन हो चुका था, उसके बाद ये सभी लोग स्नान के लिए गए थे। डूबने वालों को बचाने के प्रयास में कुछ अन्य लोग भी नदी की कोख में समा गए।

करण के छोटे भाई ने बताया कि वे सभी विसर्जन के लिए पुल पर पहुंचे थे। पुलिस वालों ने वहां नहाने नहीं दिया। इसके बाद वे सभी लोग कुंड स्थल से 300 मीटर दूर दूसरे स्थान पर चले गए। यहां पर सभी लोग नहाने के लिए नदी में उतर गए। इसके बाद उसे बस बचाओ-बचाओ का शोर सुनाई दिया।

ढाबे पर मारपीट में युवक की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सुल्तानपुर। चांदा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बैंती कला गांव के रहने वाले एक युवक की ढाबे पर हुई मारपीट के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने कुछ युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार, बैंती कला शिवाला निवासी सर्वेश यादव पुत्र सोभनाथ यादव बीती 1 अक्टूबर की रात अपने दोस्तों के साथ टोल टैक्स के समीप स्थित ढाबे पर खाना खाने गया था। इसी दौरान ढाबे पर पहले से बैठे कुछ युवकों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। मारपीट के दौरान सर्वेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन आनन-फानन में उसे बीएचयू वाराणसी लेकर पहुंचे, जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। इलाज के दौरान अगले दिन सर्वेश ने दम तोड़ दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का आरोप है कि जानबूझकर सर्वेश की हत्या की गई है।

मुक्त विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाएगा आरएसएस का इतिहास, युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव जगाने की पहल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का इतिहास शामिल किया जाएगा। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आरएसएस के इतिहास को स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शामिल करने की घोषणा गांधी जयंती के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने की। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय ज्ञान परंपरा के बीच एक गहरा संबंध है। आरएसएस की विचारधारा में भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण स्थान है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आरएसएस की दृष्टि में भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक या दार्शनिक विचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मूल्य भी शामिल हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। आरएसएस भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं वसुधैव कुटुंबकम, सहिष्णुता और विविधता तथा आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर देता है। उन्होंने बताया कि स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी विचारों को बढ़ावा देने के लिए इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय समाज को मजबूत और एकजुट करना है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि भारतीय जीवनशैली परंपरागत मूल्यों, सामाजिक समरसता, परस्पर स्नेह एवं आत्मीयता पर आधारित है। मानवीय मूल्यों के विकास एवं आदर्श के उन्नयन में भारतीय जीवन शैली की महत्वपूर्ण उपादेयता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के इस कदम से युवाओं में राष्ट्रीयता के प्रति अनन्यता का भाव उत्पन्न होगा और विकसित राष्ट्र की अवधारणा साकार होगी।

70 का दूल्हा और 35 साल की दुल्हन...सुहागरात पर इस कारण हुई बुजुर्ग की मौत, पोस्टमार्टम में हुआ बड़ा खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में 70 साल की उम्र में एक बुजुर्ग ने 35 वर्ष की तीन बच्चों की मां से शादी रचाई, लेकिन सुहागरात उसके लिए आखिरी रात बन बन गई। बुजुर्ग की रात में तबीयत बिगड़ गई। तड़के उसकी मौत हो गई। बुजुर्ग दूल्हे की मौत गांव में चर्चा का विषय बन गई। मामला गौरा बादशाहपुर थाना इलाके के कुछमुछ गांव का है।

दरअसल, कुछमुछ गांव में मंगलवार को सगरू राम (70) की तीन बच्चों की मां से शादी की थी, शादी के अगले दिन उसकी मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत ब्रेन स्ट्रोक से होने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण सीवीए (कॉर्डियो वैस्कुलर एक्सीडेंट) बताया गया है।

मौत की वजह जानने के लिए सगरू के भतीजे ने थाने में तहरीर दी थी। जिसके आधार पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद परिवार के लोगों ने बुजुर्ग का बुधवार को अंतिम संस्कार कर दिया। सगरू राम (70) से कोई संतान नहीं थी।

मनभावती के तीन बच्चे

एक साल पहले पत्नी की मौत हो गई। भतीजा रवि दिल्ली रहते हैं जबकि उनके पास जमीन और रुपये थे। सगरू ने रोटी और सेवा के लिए कुछ करीबियों के कहने पर दूसरी शादी मनभावती (35) के साथ की। मनभावती के पति की सात साल पहले चोट लगने के बाद ब्रेन की नस फट जाने के कारण मौत हो गई थी। उसकी दो बेटियां और एक बेटा हैं।उधर, शादी के दूसरे दिन ही सगरू की मौत हो गई। हालांकि कोर्ट मैरिज के बाद मंदिर में हिंदू रीति - रिवाज से शादी किए जाने की जानकारी दी। उधर, सगरू के भतीजे रवि ने दिल्ली से आकर बुधवार की सुबह 10 बजे गौराबादशाहपुर थाने में तहरीर दी।

डॉक्टरों के मुताबिक सगरू की मौत ब्रेन स्ट्रोक से हुई

इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डॉक्टरों के मुताबिक सगरू की मौत ब्रेन स्ट्रोक से हुई। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सीवीए से मौत होने की बात कही गई है। पोस्टमार्टम के बाद रामघाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया।

यह था मामला

सोमवार को मंदिर में हिंदू रीति रिवाज से सगरू राम ने मनभावती शादी की थी। पत्नी के मुताबिक, रात में वह बेटी को लेकर अंदर सोने चली गई, जबकि सगरू राम दो बेटों के साथ बाहर सो गए। भोर में उनकी तबीयत खराब हो गई। उनकी गर्दन टेढ़ी हो गई थी। यह देख पड़ोसी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

शादी का वीडियो हो रहा वायरल

बुजुर्ग और तीन बच्चों की मां के साथ शादी का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दोनों मंदिर में शादी करते हैं। वीडियो में वे खुशी-खुशी शादी करते दिख रहे हैं। जयमाल डालते ही वे खुद ही ताली बजाने लगते हैं।

इसके बाद पत्नी की मांग में सिंदूर भरते हैं। इसी बीच वीडियो बनाने वाले कुछ लोग कहते हैं कि सही से मांग नहीं भरी। इस पर वे काफी देर तक सिंदूर लगाते हैं। शादी की रस्म पूरी होने पर पत्नी उनके पैर छूती है तो वे उसे आशीर्वाद देते हैं।

कुड़वार में दस दिवसीय भव्य रामलीला का हुआ समापन

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। ग्राम सभा कुड़वार में शुक्रवार की रात दस दिवसीय भव्य रामलीला का विधिवत समापन हुआ। वर्षों बाद कुड़वार की पावन धरती पर "जय श्रीराम" के गगनभेदी नारे गूंजे तो पूरा क्षेत्र धर्म, भक्ति और आनंद की भावना से सराबोर हो उठा।

कुड़वार में रामलीला का आयोजन कोई नया नहीं, बल्कि यह परंपरा कई दशकों पुरानी है। किंतु समय के साथ बदलते हालातों और कुछ कारणों से यह आयोजन लगभग पंद्रह वर्षों से ठप पड़ा हुआ था। विशेष बात यह रही कि ग्राम सभा की अपनी रामलीला भूमि होने के बावजूद अब तक आयोजन पंचायत भवन में ही किया जाता रहा, क्योंकि उक्त भूमि पर लंबे समय से कुछ प्रभावशाली लोगों ने कब्जा जमा रखा था। स्थानीय युवा दीपक तिवारी पुत्र स्व. अवधेश तिवारी को जब इस बात का बोध हुआ कि प्रभु श्रीराम की लीला भूमि पर अतिक्रमण हो चुका है और परंपरा दम तोड़ चुकी है, तब उन्होंने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया। राम नाम की प्रेरणा से ओतप्रोत होकर दीपक तिवारी ने न केवल जनसहयोग जुटाया बल्कि प्रशासन से संपर्क साधकर अथक प्रयासों के बाद अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराया। भूमि मुक्त होते ही दीपक तिवारी ने उसी ऐतिहासिक मैदान पर दस दिवसीय भव्य रामलीला आयोजन का बीड़ा उठाया। इस आयोजन में राम जन्म से लेकर रावण वध और श्रीराम के राज्याभिषेक तक की लीलाएं इतनी भक्ति और भव्यता के साथ प्रस्तुत की गईं कि हर दर्शक मंत्रमुग्ध रह गया। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं ने लीला स्थल पर पहुंचकर प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी के स्वरूपों के दर्शन किए।

पूरे आयोजन के दौरान मंचन में स्थानीय कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। अंतिम दिन जब भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया और जयघोष के साथ पुष्प वर्षा हुई, तो पूरा क्षेत्र "जय श्रीराम" के उद्घोष से गूंज उठा। इस पुनर्जीवित परंपरा के लिए दीपक तिवारी की सराहना पूरे क्षेत्र में हो रही है। ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और धार्मिक संगठनों ने उन्हें कुड़वार की संस्कृति को पुनर्जीवित करने वाला "धर्मनायक" कहा है। ग्रामीणों का मानना है कि दीपक तिवारी ने न केवल अतिक्रमण से भूमि मुक्त कराई, बल्कि धर्म और संस्कृति की जड़ें फिर से मजबूत की हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ऐसे प्रयासों से गांव की पहचान पुनः स्थापित होती है। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह प्रेरणास्रोत रहेगा।

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प: अधिकारियों से बोले सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता देना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर में एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं, सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है।ई-पेपर सब्सक्रिप्शन

इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले आदि किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए।

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

फ्लैट में मिला उसी फ्लैट में रहने वाले युवक का शव

सुशान्त गोल्फ सिटी के स्वाति अपार्टमेंट का मामला

» फॉरेंसिक टीम की जांच के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में स्थित एक अपार्टमेंट में रहने व्यक्ति का शव उसी के फ्लैट में पड़ा मिला। नौकरानी के आने पर जब दरवाजा नही खुला तो पास के फ्लैट पर जाकर जानकारी ली। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मसक्कत के बाद दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस के अनुसार शुक्रवार को स्वाती अपार्टमेंट के फ्लैट बी 2/001 में उसी में रहने वाले मोहित का शव पड़ा मिला।घटना की जानकारी तब हुई जब शुक्रवार की सुबह लगभग 9.00 बजे नौकरानी सुमन फ्लैट पर काम करने के लिए पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था।फिर वह लगभग 10.00 बजे पहुंची तब भी दरवाजा अंदर से बंद था उसके बाद वह लगभग 1.00 पहुंची तब भी दरवाजा बंद था।तब उसने यब बात आसपास के लोगों को बताई जिसपर स्थानीय लोगों की मदद से पीछे के दरवाजे कांच तोड़ कर देखा गया तो मोहित फर्श पर पड़ा था।इस पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी।जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी की तो पता चला कि मृतक मोहित पुत्र मोहित पुत्र स्वर्गीय प्रेमचन्द निवासी आगरा है जो लैंडमार्क इंश्योरेंस ब्रोकर प्राइवेट लिमिटिड हजरतगंज में कार्य करता था।पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को सूचना देने के साथ ही आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी।

• संक्षेप •

मूर्ति विसर्जन के दौरान युवक नदी में डूबा, मौत

लखनऊ। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के जलौदी नगर गांव निवासी विपिन कुमार (22) गुरुवार को एक युवक गोमती नदी में डूब गया। मूर्ति विसर्जन के दौरान संतुलन विगड़ा और वह नदी में गिर गया। आयोजक रामकुमार द्वारा गोमती नदी के किनारे मूर्ति विसर्जन का कार्यक्रम कराया जा रहा था। विसर्जन स्थल पर विपिन नदी में उतरा था। पानी का बहाव तेज और जलस्तर अधिक होने के कारण वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद नदी से निकाल कर विपिन को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी गोसाईगंज ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

बीबीएयू में “Emotional Intelligence in Ancient India” पुस्तक का विमोचन, प्राचीन भारतीय दर्शन और आधुनिक नेतृत्व कौशल को जोड़ा

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में 3 अक्टूबर, 2025 को “Emotional Intelligence in Ancient India” नामक पुस्तक का भव्य विमोचन किया गया। यह पुस्तक प्रो. अमित कुमार सिंह और डॉ. प्रियंका महंता द्वारा सह-लेखित है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने पुस्तक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रबंधन और नेतृत्व के क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए भी अत्यंत उपयोगी है।कुलपति ने कहा कि पुस्तक भावनात्मक संतुलन, आत्म-जागरूकता और नेतृत्व कौशल को समझने का मार्गदर्शन देती है। उन्होंने यह भी बताया कि प्राचीन भारतीय ग्रंथों और विचारधाराओं से आधुनिक मनोविज्ञान को जोड़कर यह पुस्तक भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व को उजागर करती है।पुस्तक के सह-लेखक प्रो. अमित कुमार सिंह बीबीएयू के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के डीन हैं और लंबे समय से शोध एवं अध्यापन कार्य से जुड़े हुए हैं। डॉ. प्रियंका महंता वर्तमान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं और उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।Emotional Intelligence in Ancient India” में कुल 16 अध्याय शामिल हैं, जो योग साधना, उपनिषद, भगवद गीता, बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन और चाणक्य नीति जैसे प्राचीन ग्रंथों से प्राप्त विचारों को आधुनिक नेतृत्व, प्रबंधन और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अवधारणाओं से जोड़ते हैं। इसका उद्देश्य भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जोड़ना है।

थाना सैरपुर पुलिस और आबकारी टीम ने अवैध शराब के धंधे में संलिप्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया

लखनऊ। थाना सैरपुर पुलिस और आबकारी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नवनीत गुप्ता उर्फ गोपाल गुप्ता को अवैध शराब बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया। इस दौरान अभियुक्त के पास से विभिन्न ब्रांड की 365 बोतल और केन शराब बरामद की गई।जानकारी के अनुसार, दिनांक 03 अक्टूबर 2025 को आबकारी टीम मय थानाध्यक्ष सैरपुर मनोज कुमार कोरी के नेतृत्व में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सूचना मिली कि नवनीत प्रोविजन स्टोर पर चोरी-छिपे शराब बिक्री हो रही है। पुलिस और आबकारी टीम ने मौके पर जाकर दुकान में तलाशी ली। नवनीत गुप्ता ने स्वीकार किया कि दुकान के पीछे बने कमरे में शराब रखी है, जिसे उसके पार्टनर मोनू सिंह द्वारा बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाता है।तलाशी के दौरान कमरे के फ्रीज के नीचे छुपा एक तहखाना मिला, जिसमें विभिन्न ब्रांडों की शराब बरामद हुई। इनमें जेगर माइस्टर, जैक डेनियल, बाम्बे सफायर, ब्लैक एवं व्हाइट, रायल रनथम बोर, ओल्ड मोंक, टैंक्यूरे जिन, टीचर्स विस्की, ब्रीजर्स, जेमिसन और अन्य ब्रांड शामिल हैं। बरामद शराब की कुल संख्या 365 बोतल और केन थी।पुलिस ने बताया कि अभियुक्त का यह कृत्य आबकारी अधिनियम की धारा 60 व 61; 2/318; 4/336; 3/338; 340; 2/350 बीएनएस के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। नवनीत गुप्ता को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की गई और उसे न्यायालय में पेश किया गया।गिरफ्तारी में थाना सैरपुर की पुलिस टीम के अलावा आबकारी टीम के अधिकारी और सिपाही शामिल थे। कार्रवाई में थानाध्यक्ष मनोज कुमार कोरी, उपनिरीक्षक अनुज कुमार गुप्ता, सौरभ कुमार पटेल, कांस्टेबल विकास कुमार सरोज, राज वीरेंद्र यादव, रवि भूषण कुमार और शिवाला देवी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आबकारी टीम में निरीक्षक शिखर कुमार मल्ल, अभिषेक सिंह, प्रधान सिपाही सुधीर कुमार और सिपाही अर्जुन सिंह शामिल रहे।पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे इस तरह के अवैध धंधों की सूचना तुरंत पुलिस या आबकारी विभाग को दें ताकि ऐसे अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके और समाज में कानून व्यवस्था बनी रहे।

गोमती नगर में नगर आयुक्त का औचक निरीक्षण, स्वच्छता में लापरवाही पर संस्थाओं पर लाखों का जुर्माना

लखनऊ। स्वच्छता अभियान को लेकर नगर निगम की सख्ती एक बार फिर सामने आई है। शुक्रवार सुबह नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गोमती नगर स्थित विपुल खंड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क सफाई और रोड स्वीपिंग व्यवस्था की गहन जांच की। इस कार्य की जिम्मेदारी लॉयन एनवायरो और लखनऊ स्वच्छता अभियान संस्थाओं को सौंपी गई थी।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त को कई स्थानों पर सड़कों पर गंदगी और धूल जमी मिली। इस लापरवाही पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई और साफ शब्दों में कहा कि स्वच्छता अभियान की सफलता तभी सुनिश्चित हो सकती है जब जिम्मेदार संस्थाएं गंभीरता और ईमानदारी से काम करें। लापरवाही पाए जाने पर नगर आयुक्त ने मौके पर ही दंडात्मक कार्रवाई करते हुए लखनऊ स्वच्छता अभियान पर 50 हजार रुपए और लॉयन एनवायरो पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में इस प्रकार की शिकायतें दोबारा न आएं और सफाई कार्य की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। नगर आयुक्त ने यह भी कहा कि स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सिर्फ सड़क सफाई ही नहीं, नगर आयुक्त ने डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था की भी समीक्षा की।

कांशीराम साहब के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तैयारी तेज

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी संस्थापक मान्यवर कांशीराम साहब के 9 अक्टूबर, 2025 को होने वाले परिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम की तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच गई हैं। बसपा मुखिया बहन मायावती के दिशा-निर्देश पर राजधानी लखनऊ में आयोजित होने वाले इस बड़े श्रद्धांजलि समारोह की रूपरेखा तय की जा रही है।इसी क्रम में शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और जिम्मेदार पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, वरिष्ठ नेता मेवा लाल गौतम, राम अवतार मित्तल, घनश्याम करवर, मुनकाद अली, नौशाद अली, अखिलेश अंबेडकर, शैलेंद्र गौतम, गिरीश जाटव, जयवीर सिंह गौतम, रमाकांत नीरज सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दशहरा मेले में गूंजा ‘साइबर सुरक्षा’ का संदेश, आधुनिक रावण से बचाव की दी सीख

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दशहरे का पर्व जहां बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है, वहीं राजधानी लखनऊ की साइबर टीम ने इसे एक नई दिशा देते हुए साइबर अपराध से सुरक्षा का विशेष संदेश जन-जन तक पहुँचाया। थाना आशियाना क्षेत्र में आयोजित भव्य श्रीराम कथा एवं दशहरा मेले में लखनऊ पुलिस ने “साइबर दशहरा” नाम से जागरूकता अभियान चलाकर हजारों श्रद्धालुओं को सतर्क और सजग रहने की प्रेरणा दी।02 अक्टूबर की शाम आयोजित रावण दहन एवं राम कथा के इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने मंच से श्रद्धालुओं को बताया कि “साइबर सुरक्षा ही सच्ची विजयादशमी है।” जिस प्रकार रावण के दस सिर बुराइयों के प्रतीक माने जाते हैं, उसी प्रकार आज के समय में साइबर अपराधियों के हथकंडे भी अनेक रूपों में सामने आते हैं। कभी लालच, कभी डर, कभी फर्जी पहचान और कभी तकनीकी अज्ञानता का फायदा उठाकर ये अपराधी लोगों को ठगते हैं।कार्यक्रम के दौरान साइबर टीम ने विस्तार से समझाया कि किस तरह फर्जी कॉल, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, फिशिंग लिंक, ओटीपी शेयरिंग और सोशल मीडिया हैकिंग जैसी घटनाएँ लोगों को निशाना बनाती हैं। श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे कभी भी अपना ओटीपी, बैंकिंग पासवर्ड, एटीएम पिन या यूपीआई पिन साझा न करें और किसी भी धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।इस अभियान की एक खासियत यह भी रही कि रावण दहन और राम कथा का लाइव प्रसारण हो रहा था। इस दौरान भी साइबर टीम ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़े हजारों दर्शकों को साइबर सुरक्षा के अहम संदेश दिए। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुलिस की इस पहल को सराहा और इसे आधुनिक समय की सबसे जरूरी चेतावनी बताया।साइबर टीम ने इस अवसर पर रावण के दस सिर को रूपक बनाकर समझाया कि जिस प्रकार रावण का हर सिर एक बुराई का प्रतीक था, वैसे ही आज का साइबर अपराधी भी झूठ, लालच, भय, अज्ञानता और विश्वासघात जैसे कई मुखौटे पहनकर सामने आता है। पुलिस का कहना है कि जागरूकता और सतर्कता ही इन “साइबर रावणों” पर विजय का सबसे सशक्त हथियार है। अपर पुलिस उपायुक्त, अपराध, किरन यादव ने बताया कि “लखनऊ पुलिस का यह अभियान एक अनूठी पहल है। भक्ति और जागरूकता का यह संगम आमजन को एक नया संदेश देता है। दशहरे जैसे पर्व पर श्रद्धालुओं को साइबर अपराध से बचाव की सीख देकर हमने उन्हें आधुनिक युग की सबसे बड़ी चुनौती के प्रति सजग किया है।

मिशन शक्ति 5.0: लखनऊ में पिंक बूथ ने महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दिशा-निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से शुक्रवार, 03 अक्टूबर 2025 को थाना नाका क्षेत्र में पिंक बूथ 91 ने महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को जागरूक किया। डीएवी कालेज के सामने, राजेन्द्र नगर चौराहा एवं नाका चौराहा पर आयोजित कार्यक्रम में करीब 20-25 महिलाएं उपस्थित रहीं।इस अभियान में महिलाओं और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों और महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में वे 1090 (महिला पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवाएं), 108 (एम्बुलेंस सेवा), 1098 (चाइल्डलाइन) और 1076 (टोल-फ्री हेल्पलाइन) जैसे नंबरों पर तुरंत संपर्क कर सकते हैं।

युवक की लोहे की रॉड व लात घूसों से दबंगो ने की पिटाई

» मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में दबंगो ने युवक को रोंका असलहा लहराया फिर उस पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गोसाईगंज क्षेत्र के रसूलपुर टिकनियामऊ गांव के रहने वाले मो. हसीब के अनुसार उनका भाई रहबर आलम गुरुवार को दोपहर लगभग 03:30 लखनऊ से रूपया लेकर वापस घर लौट रहा आ था।तभी रास्ते में खुर्दही बाजार के पास सुल्तानपुर रोड पर विपक्षीगण रिजवान निवासी ग्राम खजुहा मजरा रसूलपुर टिकनियामऊ, करन यादव निवासी ग्राम सिटकिहा खुर्द मजरा धौरहरा व 2 अज्ञात लोगों द्वारा अपनी चार पहिया थार गाड़ी से आकर उसे रोक लिया गया। इसके बाद आरोपित रिजवान अपने हाथ में लिए रिवालवर को लहराने लगा और गाड़ी से लोहे की राड़ निकाल ली।

उसके बाद उसके भाई रहबर आलम को गाड़ी से निकाल कर गन्दी गन्दी गालियां देते हुए लात घूसो व रॉड से पिटाई कर दी जब वह गम्भीर रूप से घायल होकर गिर गया। तब आरोपित उसे तथा जान से मार देने की धमकी देते हुए भाग निकले। घायल को इलाज के लिए पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज भिजवाया गया जहां से डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस पीड़ति की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

महात्मा गांधी जयंती पर बलरामपुर अस्पताल में पुष्पांजलि, सफाई और पौधारोपण का कार्यक्रम

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर बलरामपुर अस्पताल में बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम के साथ ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कई गतिविधियां आयोजित की गईं। इस अवसर पर अस्पताल में पौधारोपण किया गया और सफाई अभियान भी चलाया गया, जिससे सेवा, स्वच्छता और प्रकृति संरक्षण का संदेश एक साथ जुड़ गया।अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या ने विजयदशमी की शुभकामना देते हुए कहा कि यह अवसर सेवा पखवाड़ा के समापन के साथ भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की भी जिम्मेदारी हमारे कंधों पर है। इस मौके पर डॉ. आर्या ने कर्मचारियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया।कार्यक्रम में सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि यह दिन महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के रूप में भी मनाया जा रहा है।

नगर निगम लखनऊ में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित, नागरिकों की 68 शिकायतों का त्वरित निस्तारण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने शुक्रवार, 03 अक्टूबर 2025 को त्रिलोकनाथ सभागार, नगर निगम मुख्यालय लालबाग में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में नागरिकों की विभिन्न समस्याओं की सुनवाई की गई। कार्यक्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार सहित अपर नगर आयुक्त सजरी ललित कुमार, वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती नम्रता सिंह, श्री अरुण कुमार गुप्त, डॉ. अरविंद कुमार राव, जीएम जलकल श्री कुलदीप सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री अशोक सिंह, श्री विनय कुमार राय तथा समस्त जोनल अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।इस समाधान दिवस में कुल 68 शिकायतों की सुनवाई की गई। इसमें जोनवार कर संबंधी 56 आपत्तियां प्राप्त हुईं, जिनमें जोन-1 से 18, जोन-2 से 03, जोन-3 से 06, जोन-4 से 02, जोन-5 से 03, जोन-6 से 14, जोन-7 से 05 और जोन-8 से 05 शिकायतें शामिल थीं। इसके अतिरिक्त जलकल विभाग से 11 और पशु चिकित्सा विभाग से 1 शिकायत दर्ज की गई।कर निर्धारण से जुड़ी शिकायतों का GIS सर्वेक्षण के आधार पर त्वरित निस्तारण भी किया गया। उल्लेखनीय निस्तारणों में अलीगंज सेक्टर-एम निवासी शिव कुमार शुक्ला का वार्षिक मूल्य ₹7257.60 से घटाकर ₹3780 किया गया। विकल्प खंड-2, चिनहट निवासी उमाकांत तिवारी का वार्षिक मूल्य ₹24570 से ₹19688 किया गया। सैनिक नगर, गीता पल्लि निवासी शिव शंकर का वार्षिक मूल्य ₹24750 से घटाकर ₹13500 किया गया, जबकि दौलतगंज निवासी सुमन कश्यप का ₹11520 से ₹5400 और वृंदावन कॉलोनी, इब्राहिमपुर निवासी दिनकर वर्मा का ₹17298 से ₹10379 निर्धारित किया गया।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण करना है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर प्रदेशभर में “स्वच्छता ही सेवा अभियान” का भव्य समापन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में “स्वच्छता ही सेवा अभियान” का भव्य समापन किया गया। राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अभियान में भाग लेने वाले सफाई मित्रों और नागरिकों का सम्मान करते हुए कहा कि गांधी जी का स्वच्छ भारत का सपना आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में साकार हो रहा है।प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा प्रारंभ हुआ और 2 अक्टूबर तक यह अभियान जन आंदोलन के रूप में जारी रहा। मंत्री शर्मा ने कहा कि शास्त्री जी का “जय जवान, जय किसान” का संदेश और गांधी जी का स्वच्छता का संदेश नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है।गांधी जी की 156वीं जयंती के अवसर पर 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक निरंतर 156 घंटे का विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान आमजन, जनप्रतिनिधियों और सफाई मित्रों ने दिन-रात मेहनत कर प्रदेशभर में 1,20,000 क्लीनिंग टारगेट यूनिट्स की सफाई और सौंदर्यीकरण किया, साथ ही 72,000 से अधिक सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और आकर्षक बनाया गया।अभियान के दौरान निकायों में क्लीन ग्रीन उत्सव आयोजित किया गया जिसमें 34,120 गतिविधियां शामिल रहीं। स्वच्छ रंगोली प्रतियोगिताएं, इको फ्रेंडली पहल और जागरूकता कार्यक्रमों में लगभग 14.91 लाख लोगों ने भाग लिया। प्रदेशभर में 8,464 रैलियां निकाली गईं, जिनमें 3.43 लाख से अधिक नागरिक सम्मिलित हुए।शिक्षण संस्थानों में भी अभियान का व्यापक प्रभाव देखा गया। 2.30 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया, जबकि 6,460 स्वच्छ सारथी क्लब सक्रिय रहे। स्वच्छ खेल महोत्सव के तहत 4,080 खेल आयोजित किए गए और इसमें 2.30 लाख प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। नवाचार के रूप में वेस्ट टू आर्ट, फूड स्ट्रीट और RRR (रिड्यूस-रियूज-रीसायकल) केंद्रों की स्थापना की गई।अभियान के दौरान 19,515 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्र किया गया और ₹21.08 लाख का जुर्माना वसूला गया। प्रदेशभर में 3,488 टन कचरा संग्रहित किया गया, जिसमें 3,121 टन का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण भी किया गया। सफाई मित्रों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए 14,124 सुरक्षा शिविर आयोजित किए गए, 88,214 सफाई मित्रों का सम्मान किया गया और 58,329 पीपीपी किट वितरित की गई।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि यह महा अभियान प्रदेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। जनता, जनप्रतिनिधियों और सफाई मित्रों की सक्रिय भागीदारी से अभियान नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में इसके सकारात्मक परिणाम दिखाई देंगे।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया का 68वाँ स्थापना दिवस हज़रतगंज में मनाया गया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया (आरपीआई) का 68वाँ स्थापना दिवस शुक्रवार को हज़रतगंज स्थित कसमंडा प्रदेश कार्यालय में उत्साह और संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में रिपब्लिकन योद्धाओं ने केक काटकर इस अवसर को विशेष रूप से यादगार बनाया। उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और डॉ. राम मनोहर लोहिया को नमन करते हुए उनके विचारों और आदर्शों को समाज में फैलाने का संकल्प लिया।आरपीआई के प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि 3 अक्टूबर 1957 को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया की संकल्पना के आधार पर स्थापित आरपीआई आज भी समाज में समानता और न्याय स्थापित करने के लिए सक्रिय है। उन्होंने बताया कि पार्टी का उद्देश्य एक समतामूलक समाज का निर्माण करना है और दलित, शोषित, वंचित, पिछड़े और हर वर्ग के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए पार्टी निरंतर संघर्षरत है।पवन भाई गुप्ता ने बताया कि आरपीआई उत्तर प्रदेश में अपने 10 संकल्पों के साथ सक्रिय है। ये संकल्प हैं—निःशुल्क शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा, निःशुल्क न्याय, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, श्रमिक कल्याण, बेरोजगारी हटाओ, पुलिसिया उत्पीड़न पर रोक और भूमिहीनों को भूमि अधिकार। स्थापना दिवस के अवसर पर आरपीआई पूरे प्रदेश में इन संकल्पों को और मजबूत करने का अभियान चलाएगी।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी मानती है कि समाज में समानता और बंधुत्व की भावना का विकास होना चाहिए। हर वर्ग को न्याय और भागीदारी मिलनी चाहिए।

20 वर्षों में बिहार ने बुना ग्रामीण सड़कों का मजबूत नेटवर्क

ग्रामीण सड़कें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है। पिछले 20 वर्षों में बिहार ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे न केवल राज्य के सुदूर गांवों से शहरों की दूरी कम हुई है, बल्कि ग्रामीण सड़कों ने गांव से गांवों की दूरी भी मिटा दी है।

पिछले 20 वर्षों में राज्यभर में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि।मी। से बढ़कर 1,19,000 कि।मी। से भी अधिक हो गया है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा पिछले 20 वर्षों में 2,560 पुलों का भी निर्माण कराया है। जो राज्य की 1 लाख, 20 हजार से भी अधिक ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़क संपर्कता उपलब्ध करा रही हैं। जिससे राज्य के ग्रामीण इलाकों अब हर मौसम में यातायात व्यवस्था को सुगमता प्रदान हुई है। इस 'सड़क क्रांति' ने राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण संपर्क में भी सुधार किया है। जिससे बिहार की ग्रामीण आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने रोजगार तक पहुंचने का एक सुगम मार्ग भी उपलब्ध कराया जा सका है।

ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति-2018 के तहत राज्यभर में कुल 36,894 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का अनुरक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया है। विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य में 12,500 ग्रामीण सड़कों के निर्माण का काम प्रगति पर है। साथ ही, 1,791 ग्रामीण पुलों के निर्माणकार्य को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का यह जाल, ग्रामीण आबादी को यातायात के सुगम साधन से जोड़ रहा है तथा गांवों के उद्योगों को भी शहरों के बाजार से जोड़ रहा है। आज सड़कों के नेटवर्क से किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिलने लगा है। इन अभूतपूर्व बदलाव से राज्य में प्रति व्यक्ति आय में 700 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि बिहार में गांवों के बारहमासी सड़कों से जुड़ने की वजह से सम्भव हो पाया है। इन सड़कों के निर्माण का सकारात्मक परिणाम यह भी है कि राज्य में नये उद्योगों की स्थापना, पयर्टन स्थलों पर पर्यटकों के आने की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ-साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिला है।

बिहार का सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए या मारे गए लोगों को मुआवजा देने में देश में पहला स्थान है। मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने की योजना के अंतर्गत गंभीर चोट लगने पर 50 हजार और मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये देने का प्रावधान है। इसके तहत जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) के पास हिट एंड रन से जुड़े 9 हजार 80 मामले अंतिम अनुमति के लिए भेजे गए हैं, ताकि इन्हें मुआवजा दिलाया जा सके। इसमें अब तक 5 हजार 830 मामलों में पीड़ितों को मुआवजा दिया गया है। यह जानकारी एडीजी (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एडीजी ने कहा कि पिछले डेढ़ से दो साल में 1626 मामलों में 84 करोड़ 19 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। सड़क दुर्घटना से जुड़े मामलों का समय पर निपटारा करने के लिए 10 जिलों पटना, सारण, पूर्णिया, गयाजी, डेहरी, सहरसा, मुंगेर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर में एमएसीटी (मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण) का गठन किया गया है। इसमें 6 महीने, 9 महीने और अधिकतम 12 महीने में मामलों का निपटारा पूरा करने का प्रावधान किया गया है।

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

उमेश चतुर्वेदी

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी।

यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है।

एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरू' जी रचित किताब 'ब्रंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'ब्रंच ऑफ थॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, 'बंच ऑफ थॉट्स' की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।' इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, 'आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है। समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है।' संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, 'हम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिज़र्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता। सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।'

संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर का दौरा किया था। तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर-तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे।

संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू-मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहाः ₹कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे।₹ सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकर्ताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि 'वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म-बलिदान के साथ-साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है।

संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतररजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफ कर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार-तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार-बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है।

संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा 'सामाजिक समरसता' है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

अजब-गजब

मगरमच्छ भी खा जाते हैं यहां के लोग, लड़की ने दिखाया पूरा मार्केट, हिल गए लोग

सोशल मीडिया पर हर दिन कुछ न कुछ देखने को मिल ही जाता है, जिसमें से कई वीडियोज को देखकर लोगों का दिल खुश हो जाता है तो कईयों को देखकर गुस्सा भी आता है। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, जिसमें एक लड़की अपने कैमरे के जरिए ऐसा मार्केट दिखाती नजर है, जहां बिकने वाली चीजों को देखकर लोग चौंक गए। दरअसल, इस मार्केट में सब्जियां-फल या मुर्गा-मछली नहीं बल्कि मगरमच्छ बिकते नजर आते हैं। जी हां, ये मार्केट थाईलैंड में है, जहां हर जगह मगरमच्छ बिकते हैं, क्योंकि यहां के लोग मगरमच्छों का मांस बड़े चाव से खाते हैं।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि लड़की कैसे मगरमच्छों वाला अजीबोगरीब मार्केट दिखाती है। जैसे-जैसे उसका कैमरा घूमता जाता है, वहां रखे गए जानवरों को देखकर उसका भी दिमाग हिल जाता है। लड़की बताती है कि वो थाईलैंड आई हुई है और यहां मार्केट में मगरमच्छ बिकते नजर आ रहे हैं। टेबल पर रखे मगरमच्छों के सिर को दिखाकर वो बताती है कि मगरमच्छों का शरीर लोग खा चुके हैं और उनके सिर को बस सजावट के तौर पर रखा गया है। इस दौरान एक दुकानदार ने लड़की ने पूछ लिया कि कौन सा मगरमच्छ खाओगी, तो लड़की ने डरकर मना कर दिया। फिर लड़की ने बताया कि वहां दुकानों पर मगरमच्छों के दांत भी बिकते हैं।

इस अजीबोगरीब वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर sanjhalika नाम की आईडी से शेयर किया गया है, जिसे अब तक 15 मिलियन यानी 1।5 करोड़ से भी अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि 2 लाख 95 हजार से अधिक लोगों ने वीडियो को लाइक भी किया है और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दी हैं। वीडियो देख एक यूजर ने लिखा है, 'भाई, हमारे यहां तो लोग चिकन और मटन में ही सोच में पड़ जाते हैं, ये तो मगरमच्छ तक खा जाते हैं", तो दूसरे यूजर ने लिखा है, 'मगरमच्छ खाने की हिम्मत है, तो समझो दुनिया का कुछ भी खा सकते हो'। वहीं कुछ यूजर्स ने इसे लेकर चिंता भी जताई है और कहा कि ऐसे खतरनाक जीवों को खाना जानलेवा बीमारियां फैला सकता है।

ब्लॉग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक पेशेवर कर्मयोगी

हरदीप एस पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई उपस्थिति और संगठनात्मक नेतृत्व की भरपूर प्रशंसा की गई है। उनके काम की विशेषता उनकी कठोर व्यावसायिकता है, जिसे कम ही लोग जानते और समझते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले ढाई दशकों में उनकी एक अथक पेशेवर कार्यशैली विकसित हुई है।

जो चीज़ उन्हें अलग बनाती है, वह है दिखावे की प्रतिभा नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुशासन जो दृष्टि को टिकाऊ व्यवस्थाओं में बदल देता है। भारतीय मुहावरे में, वे एक कर्मयोगी हैंः कर्तव्य पर आधारित कर्म, जो ज़मीनी स्तर पर बदलाव से मापा जाता है।

इस साल लाल किले से उनके स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में यही नीति थी। इस भाषण में उपलब्धियों का लेखा-जोखा कम और साझा कार्य का एक चार्टर ज़्यादा पेश किया गयाः नागरिकों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स और राज्यों को विकसित भारत के सह-लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया। गहन तकनीक, स्वच्छ विकास और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं की महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्यक्रमों के रूप में प्रस्तुत किया गया, न कि केवल दिखावटीपन के रूप में, और जनभागीदारी, एक मंच निर्माण करने वाले राज्य और उद्यमी लोगों के बीच साझेदारी, को एक पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया गया। जीएसटी ढांचे का हालिया सरलीकरण इसी पद्धति को दर्शाता है। स्लैब को कम करके और टकराव के बिंदुओं को दूर करके, परिषद ने छोटी फर्मों के लिए अनुपालन लागत कम की है और परिवारों तक लाभ पहुँचाने में तेज़ी लाई है। प्रधानमंत्री का ध्यान अमूर्त राजस्व वक्रों पर नहीं, बल्कि इस बात पर था कि क्या आम नागरिक या छोटा व्यापारी इस बदलाव को जल्दी महसूस कर पाएगा। यह प्रवृत्ति उस सहकारी संघवाद की प्रतिध्वनि है जिसने जीएसटी परिषद का मार्गदर्शन किया हैः राज्य और केंद्र गहन विचार-विमर्श करते हैं, लेकिन सभी एक ऐसी प्रणाली के भीतर काम करते हैं जो स्थिर रहने के बजाय परिस्थितियों के अनुकूल हो जाती है। नीति को एक जीवंत साधन के रूप में माना जाता है, जो अर्थव्यवस्था की लय के अनुरूप है, न कि कागज़ पर समरूपता के लिए संरक्षित एक स्मारक के रूप में। यह वह व्यावसायिकता ही है जिसके कारण वह अमेरिका से देर रात 15 घंटे की विदेश यात्रा के बाद निर्माणाधीन नई संसद भवन के गेट पर बिना किसी सूचना के पहुंचे।

मैंने हाल ही में प्रधानमंत्री से पंद्रह मिनट का समय माँगा था और मैं उनकी चर्चा में आई व्यापक गहराई और बहुआयामी दायरे से प्रभावित हुआ—सूक्ष्म विवरण और व्यापक संबंध एक ही फ्रेम में समाहित। यह बैठक पैंतालीस मिनट की हो गई। बाद में सहकर्मियों ने मुझे बताया कि उन्होंने तैयारी में दो घंटे से ज़्यादा समय बिताया, नोट्स, आँकड़े और प्रतिवाद पढ़े। होमवर्क का यह स्तर कोई अपवाद नहीं है; यह वह कार्य-मानदंड है जो उन्होंने अपने लिए निर्धारित किया है और व्यवस्था से अपेक्षाएँ रखते हैं। निरंतर तैयारी की यही आदत सुनिश्चित करती है कि निर्णय ठोस और भविष्य के लिए उपयुक्त हों।

भारत की हालिया प्रगति का अधिकांश हिस्सा उन पाइपलाइनों और प्रणालियों पर आधारित है जिन्हें हमारे नागरिकों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डिजिटल पहचान, सार्वभौमिक बैंक खाते और रीयल-टाइम भुगतान की तिकड़ी ने समावेशन को बुनियादी ढाँचे में बदल दिया है। लाभ सीधे सत्यापित नागरिकों तक पहुँचते हैं; लीकेज डिज़ाइन के अनुसार कम हो जाते हैं; छोटे व्यवसायों को अनुमानित नकदी प्रवाह मिलता है; और नीतियाँ किस्से-कहानियों के बजाय आँकड़ों पर आधारित होती हैं। अंत्योदय - अंतिम नागरिक का उत्थान - इस प्रकार एक नारा नहीं, बल्कि एक मानक बन जाता है - और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुँचने वाली प्रत्येक योजना, कार्यक्रम और फ़ाइल का असली लिटमस टेस्ट बना रहता है।

मुझे असम के नुमालीगढ़ में भारत के पहले बांस आधारित 2जी इथेनॉल संयंत्र के शुभारंभ के दौरान एक बार फिर इसका गवाह बनने का सौभाग्य मिला। इंजीनियरों, किसानों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ खड़े होकर, प्रधानमंत्री के प्रश्न सीधे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गएः किसानों को भुगतान उसी दिन कैसे प्राप्त होगा; क्या आनुवंशिक इंजीनियरिंग से ऐसा बांस तैयार किया जा सकता है जो तेज़ी से बढ़ता है और गांठों के बीच बांस के तने की लंबाई बढ़ाता है; क्या महत्वपूर्ण एंजाइमों का स्वदेशीकरण किया जा सकता है; क्या बांस के हर घटक—तना, पत्ती, अवशेष—का इथेनॉल से लेकर फुरफुरल और ग्रीन एसिटिक एसिड तक, आर्थिक उपयोग किया जा रहा है? चर्चा केवल तकनीक तक ही सीमित नहीं थी। यह रसद, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट तक विस्तृत हुई। अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में भाग लेने वाले व्यक्ति के रूप में, मैंने तुरंत इस पद्धति को पहचान लियाः संक्षिप्त विवरण की स्पष्टता, विवरण में सटीकता और इस बात पर ज़ोर कि श्रृंखला में अंतिम व्यक्ति को पहला लाभार्थी होना चाहिए।

यही स्पष्टता भारत की आर्थिक नीति को भी जीवंत करती है। ऊर्जा के क्षेत्र में, विविध आपूर्तिकर्ता समूह और शांत, दृढ़ खरीदारी ने उतार-चढ़ाव भरे समय में हमारे हितों को सुरक्षित रखा है। विदेश में एक से ज़्यादा मौकों पर, मैंने एक बेहद सरल निर्देश दिया थाः आपूर्ति सुनिश्चित करना, सामर्थ्य बनाए रखना और भारतीय उपभोक्ताओं को केंद्र में रखना। उस स्पष्टता का सम्मान किया गया और परिणामस्वरूप बातचीत और भी सुचारू रूप से आगे बढ़ी।

राष्ट्रीय सुरक्षा को भी बिना किसी नाटक के आगे बढ़ाया गया है। दृढ़ संकल्प और संयम के साथ किए गए अभियानों—लक्ष्य स्पष्ट, सैन्य बलों को संचालन की स्वतंत्रता, निर्दोषों की सुरक्षा—में शोरगुल के बजाय आश्वासन पर ज़ोर दिया गया है। नीति एक ही हैः कड़ी मेहनत करो, नतीजों को बोलने दो।

इन विकल्पों के पीछे एक विशिष्ट कार्यशैली छिपी है। चर्चाएँ सभ्य लेकिन निर्भीक होती हैं; परस्पर विरोधी विचारों का स्वागत है, लेकिन भटकाव का नहीं। सभी की बात सुनने के बाद, वह एक मोटे दस्तावेज़ को ज़रूरी विकल्पों तक सीमित कर देते हैं, ज़िम्मेदारी सौंपते हैं और सफलता तय करने वाले पैमाने बताते हैं। सबसे ज़ोरदार तर्क नहीं, बल्कि सबसे अच्छा तर्क ही जीतता है; तैयारी को पुरस्कृत किया जाता है; और अनुवर्ती कार्रवाई निरंतर जारी रहती है। सहकर्मियों के लिए, यह तैयारी की शिक्षा है; व्यवस्था के लिए, यह एक ऐसी संस्कृति है जहाँ परिणाम को मापा जाता है, न कि अनुमान लगाया जाता है।

यह कोई संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन विश्वकर्मा जयंती पर पड़ता है, जो दिव्य शिल्पी का दिन है। यह समानता शाब्दिक नहीं, बल्कि शिक्षाप्रद हैः सार्वजनिक जीवन में, सबसे स्थायी स्मारक संस्थाएँ, मंच और मानक होते हैं। नागरिक के लिए, कार्य-निष्पादन एक ऐसा लाभ है जो समय पर मिलता है और एक ऐसी कीमत जो उचित रहती है; उद्यम के लिए, यह नीतिगत स्पष्टता और विस्तार का एक विश्वसनीय मार्ग है; राज्य के लिए, यह ऐसी व्यवस्थाएँ हैं जो दबाव में भी टिकी रहती हैं और उपयोग के साथ बेहतर होती जाती हैं। यही वह पैमाना है जिससे नरेंद्र मोदी को देखा जाना चाहिए; एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में जिनका कार्य-निष्पादन तमाशा नहीं, बल्कि सेवा है, जो भारतीय इतिहास के अगले अध्याय को आकार दे रहा है।

लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।

मुंह में पटाखा रखकर चबाने लगा बच्चा...तभी हो गया ब्लास्ट, टूट गया जबड़ा, बाहर आ गए दांत, मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में बड़ोखर खुर्द गांव है। इस गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। यहां एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। 8 साल के मासूम आकाश के मुंह में पटाखा फट गया और उसकी मौत हो गई। बच्चा अपने बड़े भाई सूरज (10) के साथ पटाखा जलाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन पटाखा जला नहीं। फिर बच्चा पटाखे को मुंह में रखकर चबाने लगा। इसी बीच, मुंह में ही पटाखा ब्लास्ट कर गया। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। घटना उस समय हुई जब राम बाबू के तीन बेटे मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे थे। रास्ते में उन्हें एक पटाखा मिला, जिसे वे घर ले आए। शाम करीब 8 बजे बच्चों ने उसे जलाने की कोशिश की, लेकिन पटाखा नहीं फटा। बच्चे बारूद निकालने की कोशिश करने लगे, तभी 8 वर्षीय आकाश अनजाने में पटाखे को दांत से चबाने लगा। इसी दौरान जोरदार धमाका हुआ।

जबड़े की हड्डी टूट गई

धमाके की आवाज पूरे मोहल्ले में सुनाई दी। लोग तुरंत बच्चे के घर पहुंचे और देखा कि दोनों बच्चे खून से लथपथ पड़े हैं। आकाश की हालत सबसे गंभीर थी—उसके दोनों होंठ फट गए, निचली जबड़े की हड्डी टूट गई और कई दांत टूटकर गिर गए थे। उसका चेहरा इतना जख्मी था कि पहचानना मुश्किल हो रहा था। वहीं, बड़े भाई सूरज की आंख में भी पटाखे के टुकड़े लगे थे। घटना बुधवार शाम की है।

बच्चों के माता-पिता उस समय घर पर नहीं थे। पड़ोसियों की मदद से दोनों को तुरंत रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। डॉक्टरों ने दोनों का इलाज शुरू किया। दुर्भाग्यवश, दो घंटे के उपचार के बाद आकाश ने रात करीब 10 बजे दम तोड़ दिया। सूरज का प्राथमिक इलाज होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

क्या बोले अधिकारी?

कोतवाली प्रभारी बलराम सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। पड़ोसी और ग्रामीण आकाश की अकस्मात मौत पर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। लोग बच्चों के माता-पिता को सांत्वना दे रहे हैं और भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचाव के लिए बच्चों को पटाखों से दूर रखने की सलाह दे रहे हैं।

मेले में युद्ध के बाद जलाया गया रावण का पुतला

जौनपुर। जिले भर में बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा गुरूवार को उल्लास से मनाया गया। मेला समितयों द्वारा रावण का पुतला दहन कर विजय दशमी मनाया गयो। इन स्थानों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये थां। प्रशासन के पास उपलब्ध सूची में पंजीकृत लगभग पंजीकृत ऐसे स्थल हैं जहां रावण का पुतला जलाया जाता है। जिले में कुल110 जगहों पर रावण का पुतला दहन किया जाता है। जौनपुर में राजा साहब के पोखरा पर ऐतिहासिक रावण के पुतले का दहन भारी भीड के बीच किया गया । यहां एक साथ तीन रावण के पुतले जलाए हैं। एक पुतला राजा जौनपुर, दूसरा पंडित जी रामलीला समिति, तीसरा गोसाईं जी रामलीला उर्दू बाजार की तरफ से जलाया जाता है। तीनों पुतले एक साथ जलाए गये। यहां काफी संख्या में लोगों की भीड़ होती है। इसी वाजिदपुर तिराहे , जेसीज चौराहे पर रावण जलाया गया और लोगों ने राम रावण के युद्ध को देखा। ग्रामीण क्षेत्रों में इसी प्रकार मेला लगाया गया था।

'चोली के पीछे क्या है...', लड़कियों को देख गाना गा रहे मनचले से पुलिस ने पूछा एक सवाल, छूट गए गए पसीने, हुई जेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

आगरा। क्या गाना गाने पर भी जेल हो सकती है? सुनकर हैरानी हुई ना? मगर उत्तर प्रदेश के आगरा में ऐसा वाकया देखने को मिला, जहां गाना गा रहे लड़के को पुलिस ने गिरफ्तार किया। फिर उसे कोर्ट में पेश कर जेल भी भेजा। आरोप है कि ये लड़का सड़क से गुजर रही लड़कियों को देख 'चोली के पीछे क्या है' गाना तेज आवाज में गा रहा था। लड़कियों को इससे काफी शर्मिंदगी महसूस हो रही थी। दरअसल, ये गीत गाकर युवक उन्हें छेड़ रहा था।

पुलिस भी वहां आस-पास ही थी। उन्होंने जैसे ही युवक की ये हरकतें देखीं तो उससे पूछा- यहां कोई शूटिंग चल रही है? वो बोला- नहीं तो। पुलिस ने पूछा- क्या तुम कोई सिंगर हो? इस पर युवक बोला- नहीं सर। पुलिस बोली- तो फिर इतनी ऊंची आवाज में ये गाना किसे देखकर गा रहे हो? इसका जवाब युवक दे नहीं पाया। उसके माथे से पसीने छूटने लगे। पुलिस ने फिर उसे फटकारते हुए कहा- लड़कियों को छेड़ रहे थे ना? चलो अब तुम्हें जेल की हवा खिलाते हैं। फिर पुलिस उस युवक को गिरफ्तार कर ले गई। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई जारी है। घटना बुधवार शाम राजपुर चुंगी स्थित गौरव स्वीट्स के पास की है।

हलक से नहीं निकली आवाज

पुलिस के अनुसार, शराब के ठेकों के आस-पास शाम के समय पुलिस चेकिंग करने लगी है। ठेके पास खड़ा एक युवक तेज आवाज में चोली के पीछे क्या है यह गाना तेज आवाज में गा रहा था। राह चलती युवतियां यह देख शर्मिंदा हो रही थीं। पुलिस उसके पास पहुंची। उससे इसे लेकर सवाल किए तो युवक घबरा गया। पुलिस ने फिर उसे दबोच लिया। उसे थाने लाया गया। थाने आते ही उसे हवालात में बंद कर दिया गया। पुलिस ने उससे कहा- अब गाना गाए। उसकी बोलती बंद हो गई। हलक से आवाज नहीं निकल रही थी। पुलिस से माफी मांगने लगा। कहने लगा अब से कोई गाना ही नहीं गाएगा।

आरोपी का नाम रिजवान कुरैशी

पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम रिजवान कुरैशी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर अश्लील हरकत करने की धारा के तहत मामला दर्ज किया। आरोपित को शांति व्यवस्था भंग करने की धारा के तहत जेल भेज दिया गया है।

पुराने गुरुद्वारे संपत्ति विवाद प्रकरण पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिया संज्ञान

» प्रमुख सचिव गृह और राजस्व को दिया जांच का आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ नाका पर सैकड़ों वर्षों से स्थित म.न. 512 उदासीन संगत आश्रम पुराना गुरुद्वारा नया अखाड़ा की संपत्ति विवाद प्रकरण का मुख्यमंत्री कार्यालय ने संज्ञान लिया है। बीते 1 सितंबर 2025 को सुल्तानपुर विधायक पूर्व मंत्री विनोद सिंह ने सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच व दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग की थी।पत्र में उन्होंने अवगत कराया कि 17 वीं सदी में स्थापित उदासीन संगत आश्रम पुराना गुरुद्वारा नया अखाड़ा की करोड़ों की बेशकीमती संपत्ति को समाजवादी पार्टी सुल्तानपुर के नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी उर्फ राजू, संतोष चौधरी व आलोकनाथ अग्रहरि द्वारा गोसाईगंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर संगत आश्रम के गद्दी महंत बाबा धर्मप्रकाश का सहयोग लेकर गुरुद्वारे की संपत्ति स्वयं की निजी संपत्ति बताकर फर्जी बैनामा करके विक्रय किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही न किए जाने पर विधायक विनोद सिंह ने मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा प्रमुख सचिव गृह व राजस्व को जांच व दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने का आदेश दिया है। विदित हो कि बीते 5 अगस्त 2025 को उक्त लोगों के विरुद्ध गुरुद्वारे पर अवैध कब्जा करने पर थाना कोतवाली नगर में मुकदमा भी पंजीकृत हुआ था।

मेरठ में किसने की ये शरारत? रात को दीवारों पर लगा दिए 'आई लव मुहम्मद' के पोस्टर... मचा हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। इन दिनों देश में कई जगह I Love Mohammad पोस्टर विवाद चल रहा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हाई अलर्ट है। आई लव मोहम्मद विवाद के चलते कई जगह पर प्रदर्शन और हंगामा हुआ। आज जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन और पुलिस सतर्क है और संवेदनशील इलाकों में हाई अलर्ट जारी करते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इस बीच मेरठ से बड़ी खबर सामने आई है।

मेरठ के मवाना कस्बे में देर रात अचानक कुछ मकानों की दीवारों और दरवाजों पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर लगाए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी पोस्टरों को तत्काल हटवाकर जांच शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, देर रात जब अधिकांश लोग घरों में सो रहे थे, तभी किसी ने यह पोस्टर चस्पा कर दिए। सूचना मिलने पर पुलिस ने पड़ताल की तो सामने आया कि पोस्टर खासतौर पर मोहल्ला मुन्नालाल निवासी इमरान भोला, इरशाद, फुरकान और गुलफाम के घरों पर लगाए गए थे। पुलिस ने इन्हें हटवाने के साथ-साथ आसपास के लोगों से पूछताछ भी की।

मकान मालिकों ने पुलिस को बताया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि पोस्टर किसने और किस मकसद से लगाए। उनका कहना है कि यह हरकत माहौल बिगाड़ने की नीयत से की गई हो सकती है। उन्होंने पुलिस से जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की।

सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। साथ ही टीमें गठित कर उस इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि देर रात पोस्टर लगाने वालों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में पुलिस तैनाती बढ़ाई गई

वहीं, 26 सितंबर की हिंसा के बाद बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत और बदायूं हाई अलर्ट पर हैं। इनमें सबसे पहले बरेली में पुलिस तैनाती बढ़ाई गई थी। इसके बाद संभल, सहारनपुर और मेरठ समेत पश्चिम यूपी के कई शहरों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बरेली में 2 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से 4 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक इंटरनेट, ब्रॉडबैंड और एसएमएस सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

बर्थडे पार्टी के लिए निकले कार सवार 5 दोस्तों को हाईवे पर थार ने रौंदा

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में बर्थडे पार्टी के लिए निकले पांच दोस्तों को तेज रफ्तार थार ने रौंद दिया। इस भीषण सड़क हादसे में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि कार सवार 4 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से तीन युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों का इलाज हायर ट्रामा सेंटर में चल रहा है। हादसा कोतवाली सिकंदराबाद क्षेत्र के सिरोधन कट पर उस समय हुआ। यहां बर्थडे पार्टी के लिए निकले युवकों की स्विफ्ट कार यू-टर्न ले रही थी। इस दौरान एक तेज रफ्तार थान ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि स्विफ्ट कार के पड़खच्चे उड़ गए। भीषण सड़क दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि अस्पताल में भर्ती 4 युवकों की हालत भी गम्भीर बनी हुई है। घायलों तीन युवकों का ट्रामा सेंटर में इलाज किया जा रहा है।

हादसे में बर्थडे बॉय की मौत

मामले में सिकंदराबाद के मोहल्ला जमाईपुरा निवासी फैसल अपने 4 दोस्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी करने के लिए रेस्टोरेंट जा रहा था। इस दौरान दिल्ली हाईवे सिकंदराबाद बाईपास पर सिरोधन कट से यू टर्न लेते समय तेज रफ्तार थार ने स्विफ्ट में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बर्थडे बॉय फैसल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जीशान और आदिल समेत 4 शख्स घायल हो गए। फैसल के मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। घायलों को तुरंत आस्पताल पहुंचाया। पुलिस के मुताबिक थार को जब्त कर लिया गया है। मामले में मृतक के परिजनों की ओर से कोई शिकायत नहीं हुई है। फिलहाल आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पूजा समिति का विरोध प्रदर्शन समाप्त, बनी सहमति

सुलतानपुर। कूरेभार कस्बे में शुक्रवार को पूजा समिति के विरोध प्रदर्शन के चलते गहमागहमी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक राज प्रसाद उपाध्याय स्वयं मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायज़ा लिया। इसी दौरान एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी और कूरेभार कोतवाल रवींद्र सिंह ने समिति पदाधिकारियों के साथ विस्तृत वार्ता की। तकरीबन एक घंटे चली बातचीत के बाद आखिरकार सहमति बन गई और विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया। एसडीएम विपिन द्विवेदी ने बताया कि समिति पदाधिकारी अब मेले में शामिल होने पर राजी हो गए हैं। इससे कस्बे में शांति और सौहार्द कायम हुआ है। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस बल मुस्तैद रहा और प्रशासन की सक्रिय भूमिका से मामला शांतिपूर्ण ढंग से निपटा।

बागपत में मामूली विवाद ने लिया उग्र रूप, खूब चले लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर, पुलिस तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के बड़ौत कोतवाली क्षेत्र में बाम गांव से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दो पक्षों में खूब लाठी-डंडे चल रहे हैं। यही नहीं, लोगों ने ईंट और पत्थर भी खूब चलाया। बताया जा रहा है कि यह विवाद बच्चों के बीच कहासुनी से शुरू हुआ, जो देखते ही देखते बड़ों तक पहुंच गया और दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। इस घटना में कई लोग घायल हो गए हैं। वायरल वीडियो एक मिनट 4 सेकंड का है, जिसमें महिलाएं भी ईंट-पत्थर बरसाती नजर आ रही हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, मामूली तकरार ने अचानक हिंसक रूप ले लिया और दोनों ओर से लोग लाठी-डंडों के साथ आमने-सामने आ गए। गांव में हुए इस बवाल का वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिलाएं भी झगड़े में शामिल हो गईं और पुरुषों के साथ मिलकर पत्थरबाजी करने लगीं।

ईंट-पत्थरों की बौछार के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मौके पर मौजूद लोग जान बचाकर भागते नजर आए। घटना के दौरान कई लोगों के घायल होने की सूचना सामने आई है। हालांकि अब तक घायलों की संख्या और उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। गांव वालों का कहना है कि झगड़ा बच्चों के बीच खेल-खेल में हुई कहासुनी से शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही यह विवाद परिवारों और फिर पूरे मोहल्ले में फैल गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बड़ौत कोतवाली पुलिस का कहना है कि मारपीट और पथराव की घटना गंभीर है और वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस जांच में जुटी हुई है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

राजा भैया ने दशहरा पर लगाई शस्त्रों की नुमाइश, कहां से आए इतने हथियार और ये किसके?

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। विजयादशमी का पावन पर्व उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में इस बार सिर्फ धार्मिक उत्साह का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि एक तीखे पारिवारिक और राजनीतिक विवाद का केंद्र भी बन गया। कुंडा से कई बार विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने अपने बेंती स्थित राजभवन में शस्त्र पूजन किया। लेकिन इस बार की पूजा ने सुर्खियां बटोरीं, क्योंकि एक लंबी मेज पर सजे करीब 700 से अधिक हथियारों की चमचमाती नुमाइश ने सवालों का दौर शुरू कर दिया। ये हथियार कहां से आए? ये किसके हैं और क्या ये वाकई वैध हैं?

हर साल दशहरे पर राजा भैया शस्त्र पूजन की परंपरा निभाते हैं, जो सनातन धर्म की प्राचीन रस्म है।

मान्यता है कि भगवान राम ने रावण पर विजय के बाद अपने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा की थी, ताकि धर्म की रक्षा में ये शस्त्र हमेशा मजबूत रहें। इस बार भी बेंती महल में हनुमान जी की मूर्ति के सामने पुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच पूजा हुई। लेकिन वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विवाद भड़क उठा। एक वीडियो में राजा भैया खुद हथियारों को स्पर्श करते नजर आ रहे हैं, तो दूसरे में दर्जनों पिस्टल, रिवॉल्वर, 12 बोर बंदूकें, राइफलें और थर्टी कारबाइन जैसी आधुनिक असलहों की कतारें सजी दिख रही हैं।

पत्नी ने लगाए थे ये आरोप

इस नुमाइश की टाइमिंग संयोग नहीं थी। कुछ हफ्ते पहले राजा भैया की पत्नी कुंवर भानवी सिंह ने एक वीडियो जारी कर उन पर गंभीर आरोप लगाए थे। भानवी ने दावा किया कि उनके पति के पास अवैध विदेशी हथियारों का विशाल जखीरा है, जो विध्वंसक हो सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) और उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री को शिकायत भी की, जिसके बाद पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। भानवी ने कहा था, ये हथियार न केवल अवैध हैं, बल्कि मेरी जान को भी खतरा पैदा कर रहे हैं। उनके इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी और कुछ ने इसे पारिवारिक कलह का रूप दिया तो कुछ ने राजा भैया की 'ताकत' पर सवाल उठाए। राजा भैया ने इन आरोपों का जवाब पूजा के जरिए दिया।

कहां से आए इतने हथियार?

पूजन के बाद राजा भैया ने कहा, ये सारे शस्त्र हमारे हैं। जो हमारा है, वो समर्थकों का है और जो समर्थकों का है, वो हमारा है। उनके करीबी ने स्पष्ट किया कि ये हथियार राजा भैया के व्यक्तिगत नाम पर लाइसेंसी हैं। इसके अलावा उनके बेटे, 700 से अधिक पारिवारिक सदस्यों, नौकरों और करीबियों के नाम पर भी वैध लाइसेंस हैं। भाई और विधान परिषद सदस्य अक्षय प्रताप सिंह के है। ये दशहरा की परंपरा है, और जो देखना चाहे, आकर देख ले। वीडियो में वे हंसते हुए कहते दिख रहे हैं कि ये शस्त्र धर्म रक्षा के प्रतीक हैं, न कि हिंसा के।

शारदा नहर पटरी पर झाड़ियाँ और गड्ढे, यात्रियों के लिए बना जोखिम का रास्ता

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय से हरौरा बाजार तक, शारदा नहर की पटरी पर बनी सड़क पर बड़ी-बड़ी झाड़ियाँ कब्जा जमाए खड़ी हैं। इन झाड़ियों के कारण रास्ता इतना संकरा हो गया है कि दो वाहनों का गुजरना मुश्किल हो गया है। प्रतिदिन हजारों यात्री इस मार्ग से तहसील का सफर करते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा पर विभागीय जिम्मेदार कोई ध्यान नहीं दे रहे।

'गड्ढों से भरी सड़क, बढ़ा खतरा'

नहर की सड़क पर सिर्फ झाड़ियाँ ही नहीं, बल्कि जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों ने भी यात्रियों की परेशानी दोगुनी कर दी है। जिससे वाहन चालकों को दुर्घटनाओं की संभावना और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की हालत ऐसी है

कि हर दिन का सफर जान जोखिम में डालकर करना पड़ता है।

'जनप्रतिनिधियोंऔर प्रशासन की घोर उपेक्षा'

सबसे हैरानी की बात यह है कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों दलों के चार जनप्रतिनिधियों के क्षेत्र में नहर का यह भू भाग पड़ता है। बावजूद इसके किसी ने भी खतरों भरी सड़क के किनारे की ,संभावित खतरों पर ध्यान नहीं दिया। स्थानीय प्रधान अमितेंद्र सिंह, रवींद्र प्रताप सिंह, दिव्यराज सिंह खारा, प्रधान इंद्रपाल सिंह ,काली सहाय सिंह, पृथ्वीपाल सिंह बिसावां समेत ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि तत्काल सड़क को झाड़ियों से अतिक्रमण मुक्त कराते हुए मरम्मत कराई जाए।

जनता का सवाल है ?..कृक्या जिला प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने वाली इस सड़क को जंगली झाड़ियों से अतिक्रमणमुक्त न कराना जिला प्रशासन और जिम्मेदारों के लापरवाही की बड़ी पोल खोल रही है।

पत्नियां इन कारणों से छिपाती हैं अपने पति से कई बातें, कानों कान नहीं लगने देतीं भनक

हसबैंड वाइफ का रिश्ता बहुत ही प्यारा रिश्ता होता है, जिसमें दोनों के बीच विश्वास और खुलकर बातचीत होना बहुत जरूरी होता है, लेकिन इन सब के बावजूद अगर आपकी पत्नी आपसे बातें छुपाती हैं तो जरूर उसके पीछे कोई कारण हो सकता है। क्या हो सकते हैं वो कारण, आइए जानते हैं।

पति पत्नी का रिश्ता दोस्तों जैसा होता है, जिसमें ना ही कोई बात छिपाई जाती है और ना जी एक दूसरे को जज किया जाता है। लेकिन कभी कभी ऐसा भी देखने को मिलता है कि कई पत्नियां अपने पति कुछ बातें छिपाती हैं। लेकिन ऐसा क्यों होता है कि दोस्ती जैसे कपल के बीच चीजें छिपाने जैसी सिचुएशन आ जाती हैं?

अगर आपको भी ऐसा लगता है कि आपकी वाइफ भी बातें छिपाती हैं, तो उनपर गुस्सा करने या सवाल जवाब करने से पहले रुक जाइए। पहले उन कारणों को जान लीजिए जिनकी वजह से आपकी पत्नी ने ये कदम उठाया है। क्या हैं वो कारण, आइए हम आपको बताते हैं।

पति की फिक्र

आपकी वाइफ आपसे बहुत प्यार करती हैं और उन्हें आपकी फिक्र है, यही कारण है कि वो कुछ बातें आप से शेयर नहीं करती हैं। उन्हें लगता है कि वो अपनी समस्या या अन्य कोई बात आपको बताएंगी, तो आप परेशान हो जाएंगे। इसलिए वो कुछ बाते आपको नहीं बताती हैं।

रिश्तों की डोर बांधे रखने के लिए

अक्सर पत्नियां अपने पति से घर-परिवार या दोस्तों की बातें छिपाती हैं। जैसे किसी ने उन्हें उल्टा बोल दिया या किसी से बहस हो गई आदि। अगर आपकी पत्नी भी आपसे ये बातें छिपाती हैं तो इसका मतलब है कि वो आपसे बहुत प्यार करती हैं और आपके लिए ये सब खुद झेल सकती हैं। उन्हें लगता है कि अगर वो ये सब बातें आपसे शेयर करेंगी तो कहीं मामला बिगड़ ना जाए और रिश्ता खराब ना हो जाए।

रेस्पॉन्स कैसा होगा

कुछ पत्नियां सिर्फ ये सोचकर चुप रहती हैं कि अगर आपको बात बता दी गई तो आप कैसा रिस्पॉन्स देंगे, क्योंकि कभी-कभी कुछ बातें ऐसी होती हैं, जिन्हें जाकर सामने वाले के मन में कई ख्याल आ सकते हैं या वो बातें सामने वाले को ठेस पहुंचा सकती हैं। इसके अलावा उन्हें ये भी डर रहता है कि अगर उन्होंने आपको चीजें बता दी तो कहीं आप उनकी कमजोरी जा मजाक या फायदा न उठा लें।

पर्सनल चॉइस

वाइफ अपनी किन बातों को पति से शेयर करना चाहती है या किन चीजों को छिपाना चाहती हैं ये उनकी पर्सनल चॉइस है। उन्हें पूरा हक है कि वो आपके साथ किन टॉपिक्स पर बात करेंगे या नहीं। इसलिए आप भी उनके इस फैसले का मान रखें और उस समय का इंतजार करें जब वो खुद चीजों को शेयर करने को तैयार हों।

बच्चों के बारे में सोचकर

परिवार में अक्सर ऐसा होता है कि मांएं अपने बच्चों की गलतियों को पति से छिपाती हैं, जिसका कारण होता है घर में होने वाले कलह को रोकना। ऐसा नहीं है कि वो बच्चों को समझती या डांटती नहीं हैं, वो बस ये चाहती हैं कि पिता और बच्चे के बीच संबंध खराब न हों। इसलिए वो आपसे बातें छिपाती हैं।

मानसून में भी तुलसी का पौधा खराब होने का नहीं रहेगा डर, इन घरेलू नुस्खों की मदद से करें देखभाल

भारत के लोगों में गार्डनिंग करने का शौक बढ़ता ही जा रहा है, लोग अपने घर में अलग-अलग तरह के पौधे लगाते हैं। हिन्दू मान्यता से जुड़े पौधों को खास महत्व होता है, तुलसी का पौधा भी इन्हीं में से एक है। तुलसी की पूजा करने के साथ ही औषधिय के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए लगभग सभी घरों में इस पौधे को लगाया जाता हैं।

वैसे किसी भी पौधे को सिर्फ लगाना ही काफी नहीं होता है बल्कि उनकी देखभाल भी करनी होती है। जरूरी नहीं कि तुलसी के पौधे सिर्फ गर्मी के मौसम में ही सूखते हो। मानसूम में भी इस तरह की परेशानी हो सकती है। पानी, धूप या मिट्टी की खराब गुणवत्ता आपके पौधे को खराब कर सकती है। ऐसे में तुलसी का पौधा हरा-भरा बनाने के लिए कुछ टिप्स जरूर अपनाएं

मिट्टी को पोषण दें

24 घंटे ऑक्सीजन देकर वातावरण को शुद्ध रखने वाला पौधा अगर बारिश के मौसम में सूखने लगे तो आपको मिट्टी और पानी की जांच जरूर करना चाहिए। तुलसी के पौधे की मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मिट्टी में समय-समय पर खाद मिला सकते हैं। इसके लिए नीम की खली या वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग भी कर सकते हैं।

गमले में करें छेद

बारिश के मौसम में तुलसी के पौधे को कम ही पानी की जरूरत होती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना पानी डालते हैं जिससे जड़े गलने लग जाती हैं और पौधे को नुकसान होता है। इसलिए मिट्टी सूखने पर ही पानी डालें और गमले में पानी का जमाव ना इस पर भी आपको ध्यान देना होगा। इसके लिए आप गमले के नीचे छेद कर सकते हैं ताकि थोड़ा-थोड़ा पानी निकलता रहे।

पौधे में ऐसे डालें जान

तुलसी के पौधे पर दूध का स्प्रे या फिर प्याज के पानी का छिड़काव भी फायदेमंद होता है। इसके अलावा बच्चों के स्लेट में लिखने वाली चॉक को घिसकर तुलसी की मिट्टी में मिलाने से इसकी ग्रोथ बेहतर हो जाती है। कैल्शियम की कमी पूरी होने से सूख रहा पौधा भी एक फिर से नई पत्तियां देना शुरू कर देता है।

री-पॉटिंग की जरूरत समझें

आपको बता दें, तुलसी का पौधा तेजी से अपनी जड़ों को फैलाता है, गमले के नीचे जड़ों का गुच्छा बन जाने से ग्रोथ रुक जाती है। ऐसे में री-पॉटिंग के लिए मानसून का सीजन सबसे बेस्ट है, तेज गर्मी या सर्दी के मौसम में तुलसी के पौधे की जड़ों को छेड़ने से इसके मरने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए बारिश में इसकी कटाई-छटाई करके इसे दूसरे गमले में शिफ्ट कर सकते हैं।

ये हैं दुनिया के सबसे महंगे परफ्यूम इंग्रेडिएंट्स, जिनमें समाई है फूलों से लेकर जंगल की लकड़ियों तक की महक

आपके परफ्यूम की खुशबू कैसी है? थोड़ी मीठी थोड़ी फ्लोरल? अगर आप तरह-तरह के परफ्यूम रखने का शौक रखते हैं तो हम आपको आज 5 ऐसे महंगे इंग्रीडिएंट्स के बारे में बताने वाले हैं, जिनका परफ्यूम बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है और इन्हें पाना भी मुश्किल है।

आपके पास कम से कम 3-4 परफ्यूम तो होंगे ही जिनमें से हर एक की फ्रेग्रेंस अलग होगी और इन्हें इस्तेमाल करने का समय भी आपने अलग-अलग ही रखा होगा। जैसे डेली वियर के लिए अलग, दिन और रात के लिए दूसरा और पार्टी के लिए भी अलग। लेकिन क्या आप जानते हैं आपके इन परफ्यूम का राज क्या है?

कैसे एक परफ्यूम ब्रांड दुनिया में सबसे ज्यादा पॉपुलर हो जाता है, तो कोई सबसे महंगा, लेकिन कैसे? दरअसल सारा खेल इनमें मिलाए जाने वाले इंग्रीडिएंट्स का होता है और आज हम आपको दुनिया के सबसे ज्यादा एक्सपेंसिव इंग्रीडिएंट्स के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें परफ्यूम में इस्तेमाल किया जाता है। इनमें फूलों से लेकर जंगल की लकड़ियों तक की महक समाई हुई है। क्या आपके परफ्यूम में भी ये चीजें मौजूद हैं?

जैस्मीन

नाम पढ़कर आप सोचेंगे कि ये जैस्मीन तो कई परफ्यूम में मिलाया जाता है, लेकिन आप गलत हैं। क्योंकि ये बहुत ही ज्यादा महंगा होता है इसलिए बाकी सभी परफ्यूम में इसका सिंथेटिक वरजन का इस्तेमाल किया जाता है। जी हां, और ऐसा इसलिए है क्योंकि लगभग 900 किलों के जैस्मीन के फूलों से 1 पाउंड यानी की 0.45 किलोग्राम ऑयल निकलता है, जोकि बहुत ही ज्यादा एक्सपेंसिव होता है।

बुल्गारिया गुलाब

इन फूलों को डैमस्क गुलाब भी कहा जाता है जो जैस्मीन से भी ज्यादा महंगे होते हैं, क्योंकि एक ओर जहां 900 जैस्मीन का इस्तेमाल हो रहा था वहीं दूसरी ओर 1 पाउंड यानी की वही 0.45 किलोग्राम तेल के लिए 4535.92 के.जी गुलाब के फूलों का इस्तेमाल किया जाता है। इससे आप भी अंदाजा लगा सकते हैं कि बुल्गारिया गुलाब कितना ज्यादा महंगा होगा।

ओयूडी

लोगों द्वारा सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाले इस जो जंगल के पेड़ों की लकड़ियों से आता है, जिसे अगर कहा जाता है। इसमें लकड़ी से Oud तेल निकालने के लिए सबसे पहले इसमें फियालोफोरा पैरासिटिका नाम का की फंगस लगाई जाती है जिसके बाद ये फ्रेग्रेंस मिलती है। इस तेल के दुर्लभ, हाई डिमांड और पेड़ों की मुश्किल हार्वेस्टिंग के कारण ही ये परफ्यूम में इस्तेमाल होने वाला सबसे एक्सपेंसिव इंग्रीडिएंट्स है।

कस्तूरी

नेचुरल मस्क जिसे हिंदी में कस्तूरी कहा जाता है दुनिया के सबसे महंगे परफ्यूम इंग्रीडिएंट्स में से एक है और दुनिया में इस नाम के इंग्रीडिएंट वाले परफ्यूम में सिंथेटिक फ्रेग्रेंस को मिक्स किया जाता है। बता दें कि ऐसा इसलिए है क्योंकि असली और नेचुरल मस्क को पाने के लिए सबसे पहने हमें नर कस्तुरी मृग यानी की हिरण को मारना होता, जोकी बिल्कुल भी सही नहीं है।

केसर

आपने खाने में या कुछ मीठा बनाने में तो केसर का इस्तेमाल किया होगा, लेकिन हम परफ्यूम की बात कर रहे हैं। केसर दुनिया में सबसे ज्यादा महंगे मसालों में से एक है और परफ्यूम बनाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है, जो वार्म, स्पाइसी और जमीनी खुशबू देता है। जिसकी खेती करना बहुत ही ज्यादा समय लेने वाला होता है।

कहीं आपको भी तो नहीं मिलते विदेश से पैसे? जिन लोगों को 6 लाख रुपये से ज्यादा मिले, वे इनकम टैक्स की जांच के घेरे में

विदेश से भेजी गई रकम जांच के दायरे में आ गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 6 लाख रुपये से अधिक की विदेश रकम की जांच शुरू की है, ताकि पता लगाया जा सके इसमें कहीं टैक्स चोरी तो नहीं की गई। यह कदम घोषित इनकम में गड़बड़ी के मामले सामने आने के बाद उठाया गया है।

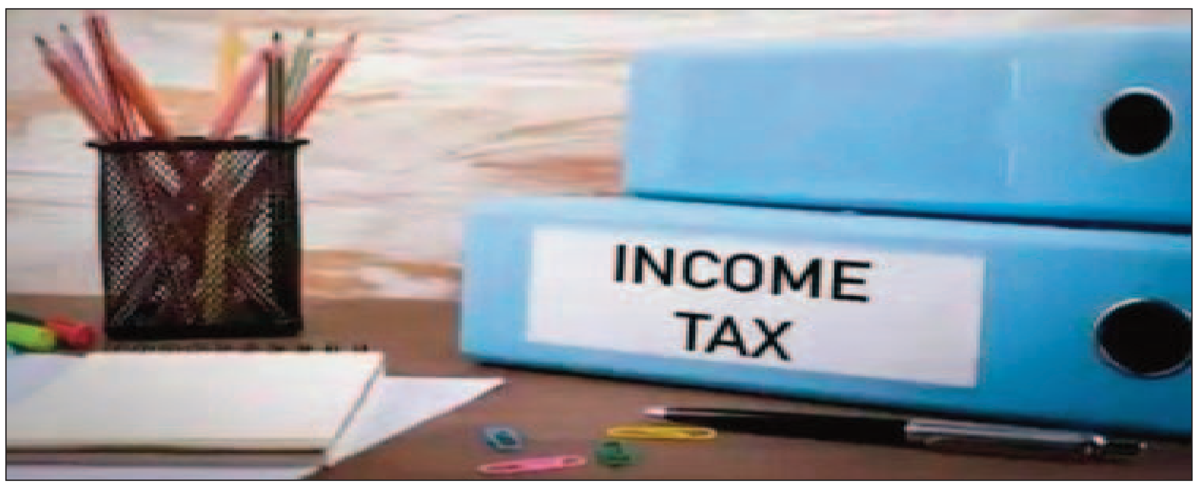

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपके बच्चे, माता-पिता या कोई रिश्तेदार या जानकार विदेश से पैसे भेजता है तो आप इनकम टैक्स की जांच के दायरे में आ सकते हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने ऐसे मामलों की जांच शुरू की है, जिसमें लोगों को विदेश से 6 लाख रुपये से ज्यादा की रकम भेजी गई है। इस जांच का उद्देश्य यह जानना है कि उस रकम को भेजने में कहीं कोई हेराफेरी तो नहीं की गई, मसलन- टैक्स चोरी आदि। हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स को मिली जानकारी के मुताबिक यह कदम ऐसे मामलों का पता लगाने के बाद उठाया गया है, जहां जिन लोगों को यह विदेशी रकम भेजी गई, वह उनके द्वारा घोषित आय के अनुरूप नहीं थी और टीसीएस में भी गड़बड़ी थी।

इस मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक बोर्ड ने फील्ड फॉर्मेशन को फॉर्म 15सीसी की सत्यापन प्रक्रिया और जांच शुरू करने के लिए कहा। फॉर्म 15सीसी उन लोगों के लिए जरूरी होता है जिन्हें विदेश से रकम मिलती है। इस फॉर्म से जुड़े साल 2016 के बाद का डेटा जुटाया जा रहा है और इसका विश्लेषण किया जाएगा।

ITR में जानकारी न देने वालों का चलेगा पता

एक अधिकारी ने बताया कि पिछले साल एक समीक्षा की सिफारिश की गई थी। इसे जल्द ही फील्ड फॉर्मेशन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि इस कदम से सरकार को उन मामलों की पहचान करने में मदद मिलेगी, जहां विदेशी रकम भेजी गई थी लेकिन टैक्सपेयर ने अपनी फाइलिंग में इसकी जानकारी नहीं दी। अधिकारी ने कहा कि इस कदम से टैक्स चोरी रुकेगी और यह सुनिश्चित होगा कि विदेश से भेजी जाने वाली रकम का सही हिसाब रहे।

अगले महीने जारी होगी लिस्ट

बोर्ड 2020-21 के बाद के डेटा की जांच के आधार पर हाई रिस्क वाले मामलों की लिस्ट तैयार करेगा। इसने फील्ड फॉर्मेशन को हाई रिस्क वाले मामलों का पता लगाने के लिए एक विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने और 30 सितंबर तक ऐसे मामलों की लिस्ट पेश करने का निर्देश दिया है। सरकार ने अघोषित आय वाले लोगों को पहला नोटिस भेजने के लिए 31 दिसंबर की समय सीमा तय की है।

7 लाख से ज्यादा पर 20 फीसदी टीडीएस

विदेश से 7 लाख रुपये ज्यादा भेजने पर सरकार LRD के तहत 20 फीसदी टीडीएस लेती है। हालांकि यह रकम अगर मेडिकल या एजुकेशन के लिए भेजी जा रही है तो उसमें छूट रहती है। फॉर्म 15सीसी के माध्यम से विदेश से रकम पाने वाला शख्स यह प्रमाणित करता है कि वह रकम टैक्स योग्य नहीं है तो किसी और विवरण की आवश्यकता नहीं होती। अधिकारियों ने कहा कि विभाग ने इस छूट के संभावित दुरुपयोग के कुछ मामलों का पता लगाया है।

केंद्र सरकार ने दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 'मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेज़' को मंजूरी दी है। इस कार्यक्रम पर 11,440 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना का लक्ष्य 2030-31 तक देश में दाल उत्पादन को 350 लाख टन तक बढ़ाना है।

अब नहीं मंगानी पड़ेगी विदेशी दाल, मोदी सरकार का बनाया ये मास्टरप्लान, 5 साल में बदल जाएगी पूरी तस्वीर

अब वो दिन दूर नहीं जब देश की थाली में सिर्फ देसी दाल होगी। केंद्र सरकार ने तय कर लिया है कि देश को दालों के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है। इसी मकसद से कैबिनेट ने एक नई योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का नाम है 'मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेज़'। इस पर 11,440 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे साल 2025-26 से लेकर 2030-31 तक चलाया जाएगा। सरकार का साफ कहना है कि 2030 तक भारत को दालों में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है। यानी जितनी दाल देश में खपत होती है, उतनी ही यहां उगाई भी जाए। अभी भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा दाल खाने वाला देश है, लेकिन जरूरत से करीब 15 से 20 प्रतिशत दाल आयात करनी पड़ती है। यही खर्च और निर्भरता खत्म करने के लिए यह योजना शुरू की जा रही है।

दाल का उत्पादन 350 लाख टन तक बढ़ाने का लक्ष्य

इस मिशन के तहत दाल की खेती को बढ़ाने के लिए एक मजबूत योजना बनाई गई है। सरकार कह रही है कि 2030 तक 310 लाख हेक्टेयर ज़मीन पर दाल की खेती कराई जाएगी और उत्पादन को 350 लाख टन तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए किसानों को अच्छी और मजबूत किस्मों के बीज दिए जाएंगे। करीब 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज और 88 लाख मुफ्त बीज किट किसानों को दिए जाएंगे। ये बीज खास तौर पर ऐसी ज़मीन पर बोए जाएंगे जहां अब तक दाल की खेती नहीं होती, जैसे धान की परती ज़मीन या कोई दूसरी खाली पड़ी ज़मीन। बीज की गुणवत्ता और उपलब्धता पर खास ध्यान रहेगा। बीज कहां से आ रहा है, उसकी निगरानी SATHI नाम के एक डिजिटल पोर्टल से की जाएगी। बीज तैयार करने का काम केंद्र और राज्य की एजेंसियां मिलकर करेंगी।

किसानों से सरकार खरीदेगी पूरी फसल

किसानों को यह डर हमेशा रहता है कि अगर उन्होंने कोई फसल बोई और बाजार में दाम गिर गए तो घाटा हो जाएगा। लेकिन इस योजना में किसानों को दाम की गारंटी भी दी गई है। तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की दाल को लेकर सरकार ने तय किया है कि अगले चार साल तक इन तीनों दालों की 100 फीसदी खरीद सरकार करेगी। यानी किसान चाहे जितनी उपज करें, NAFED और NCCF नाम की सरकारी एजेंसियां पूरा माल खरीदेंगी, वो भी तय न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर। लेकिन खरीद उन्हीं किसानों से होगी जो पहले से रजिस्टर होंगे और सरकारी एजेंसी से समझौता करेंगे। इससे किसानों को यह भरोसा मिलेगा कि उनकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी। साथ ही, सरकार दुनिया भर में दालों की कीमतों पर नजर रखेगी, ताकि घरेलू बाजार में किसानों को नुकसान न हो।

गांवों में बनेंगे प्रोसेसिंग सेंटर

फसल काटने के बाद भी काफी नुकसान होता है। दाल की क्वालिटी भी गिरती है और पैसे भी कम मिलते हैं। इस पर रोक लगाने के लिए सरकार 1,000 प्रोसेसिंग यूनिट लगाएगी, जहां दाल की सफाई, छंटाई और पैकिंग की जाएगी। इसके लिए हर यूनिट पर सरकार 25 लाख रुपये तक की मदद देगी। ये यूनिट्स गांवों में ही लगेंगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ेगा और किसानों को फसल बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। सरकार की कोशिश है कि दाल की खेती सिर्फ कुछ ही इलाकों में न रहे, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में फैले, जिससे मौसम या किसी आपदा का असर कम हो।

किसानों की बढ़ेगी आमदनी

इस मिशन का असर सिर्फ दाल तक ही सीमित नहीं रहेगा। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी, क्योंकि उन्हें फसल का सही दाम मिलेगा। साथ ही, मिट्टी की सेहत भी सुधरेगी, क्योंकि दालों की फसल जमीन को पोषक तत्व देती है। इसके अलावा, जब दाल देश में ही तैयार होगी तो विदेश से दाल मंगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे देश की विदेशी मुद्रा भी बचेगी। सरकार का मानना है कि इस योजना से देश की खेती में बड़ा बदलाव आएगा। यह एक लंबी दूरी की सोच है, जिसका फायदा आने वाले सालों में साफ दिखाई देगा।

ब्रिटिश यहूदियों का डर बढ़ा, असुरक्षित महसूस करने वालों की संख्या चार गुना, सर्वे में खुलासा

ब्रिटेन, एजेंसी। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनागॉग) के बाहर आतंकी हमला हुआ। हमले के समय कई यहूदी योम किप्पुर त्योहार के अवसर पर प्रार्थना के लिए इकट्ठा हुए थे। तभी हमलावर ने पहले अपनी कार भीड़ पर चढ़ा दी और इसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इस घटना ने ब्रिटेन में एक बार फिर यहूदी समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, पिछले कुछ सालों से ही ब्रिटेन के यहूदी नागरिक लगातार असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। खासकर 7 अक्टूबर 2023 के बाद, जब हमास ने इजराइल पर बड़ा हमला किया था। इसी बीच, इंस्टिट्यूट फॉर ज्यूइश पॉलिसी रिसर्च (JPR) द्वारा जून-जुलाई 2025 में किए गए एक सर्वे में सामने आया कि ब्रिटेन में बड़ी संख्या में यहूदी अब खुद को असुरक्षित मानते हैं।

क्या कहता है ताजा सर्वे?

जेपीआर की ओर से जून-जुलाई 2025 में किए गए एक बड़े सर्वे के मुताबिक, इस साल 35% यहूदियों ने कहा कि वे ब्रिटेन में असुरक्षित महसूस करते हैं। जबकि 2023 में, यानी हमास के हमलों से पहले, सिर्फ 9% लोग ऐसा सोचते थे।

यहूदी-विरोधी भावनाओं यानी एंटीसैमिटिज्म के बारे में भी चिंता बढ़ी है। 2012 में सिर्फ 11% ब्रिटिश यहूदी मानते थे कि ये बहुत बड़ी समस्या है, लेकिन 2025 में यह संख्या 47% तक पहुँच गई। सर्वे ने यह भी दिखाया कि 2024 में लगभग एक-तिहाई (32%) यहूदियों को कम से कम एक बार यहूदी-विरोधी घटना का सामना करना पड़ा।

लंदन-मैनचेस्टर बने हॉटस्पॉट

कम्युनिटी सिक्योरिटी ट्रस्ट, जो 1994 से इस तरह की घटनाओं का रिकॉर्ड रखती है, ने बताया कि जनवरी से जून 2025 के बीच यूके में 1,521 एंटीसैमिटिक घटनाएँ दर्ज की गईं। यह किसी भी साल की पहली छमाही का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। पहला रिकॉर्ड 2024 की शुरुआत में बना था, जब 7 अक्टूबर के तुरंत बाद छह महीने में 2,019 घटनाएँ हुई थीं। इस साल हुई 1,521 घटनाओं में से ज्यादातर लंदन और मैनचेस्टर में हुईं, जहाँ यहूदी आबादी सबसे बड़ी है। कुल मिलाकर, 2025 की पहली छमाही में हर महीने 200 से ज्यादा घटनाएँ हुईं। सबसे ज्यादा जून में 326 मामले दर्ज हुए, जब गाजा में युद्ध और इजराइल-ईरान टकराव तेज हुआ था।

इजराइल से जुड़ाव भी हो रहा मजबूत

सर्वे से यह भी पता चला कि इस मुश्किल समय में भी ब्रिटिश यहूदियों का जुड़ाव अपने धर्म और संस्कृति से मज़बूत बना हुआ है। इजराइल के साथ भावनात्मक रिश्ता भी और गहरा हुआ है। 2023 में जहाँ 72% यहूदी खुद को इजराइल से जुड़ा मानते थे, वहीं अब यह आंकड़ा 75% है। बहुत गहरा जुड़ाव महसूस करने वालों की संख्या भी 40% से बढ़कर 49% हो गई।

मगर इजराइल की आलोचना भी साथ बढ़ी

हालाँकि, दूसरी तरफ इजराइल की नीतियों और युद्ध को लेकर आलोचना भी बढ़ी है। 2025 में आधे से ज्यादा (51%) यहूदियों ने कहा कि गाजा में इजराइल का व्यवहार उनकी यहूदी मूल्यों से मेल नहीं खाता। 2024 में यह संख्या 40% थी। खासकर युवा यहूदियों में एंटी-ज़ायनिस्ट सोच बढ़ रही है। 20 से 29 साल के युवाओं में 24% अब खुद को एंटी-जायनिस्ट मानते हैं, जबकि 2022 में यह सिर्फ 13% थे।

क्यों बढ़े हैं यहूदियों पर हमले?

सीएसटी का कहना है कि ज्यादातर घटनाएँ इजराइल-गाजा युद्ध और उसके असर से जुड़ी हैं। 51% मामलों में किसी न किसी तरह इजराइल, गाजा या 7 अक्टूबर के हमले का जिक्र था। कई घटनाओं में "जायनिस्ट" शब्द गाली की तरह इस्तेमाल हुआ और 172 बार इजराइल की तुलना सीधे नाजियों से की गई।

ये होता है सिस्टम...इंटरनेट प्लान पर ग्राहकों को दिया धोखा तो टेलीकॉम कंपनी पर लगा करोड़ों का जुर्माना

ऑस्ट्रेलिया। इंटरनेट प्लान को लेकर ग्राहकों से कई वादे किए जाते हैं। उनसे हाई-स्पीड इंटरनेट देने का ज्यादातर टेलीकॉम कंपनी वादा करती ही हैं। लेकिन, ऑस्ट्रेलिया की एक टेलीकॉम कंपनी को ग्राहकों से इंटरनेट स्पीड को लेकर किया गया वादा पूरा न करना भारी पड़ गया। अब कंपनी पर अदालत ने करोड़ों का जुर्माना लगाया है। ऑस्ट्रेलिया की नंबर-1 टेलीकॉम कंपनी पर शुक्रवार को अदालत ने लगभग 11।87 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी भारत के ₹98।52 करोड़ का जुर्माना लगाया है। दरअसल, कंपनी ने लगभग 9,000 ग्राहकों का इंटरनेट स्पीड प्लान बिना उन्हें जानकारी दिए घटा दिया था। ऑस्ट्रेलियन कम्पटीशन एंड कंज्यूमर कमीशन (ACCC) ने बताया कि टेल्स्ट्रा ने अपनी लो-कॉस्ट वैल्यू ब्रांड Belong के 8,897 ग्राहकों को बिना बताए कम स्पीड वाले प्लान में शिफ्ट कर दिया था। इस बदलाव में उनकी इंटरनेट स्पीड की अपलोड स्पीड को आधा कर दिया गया था। रेगुलेटर ने कहा कि यह माइग्रेशन अक्टूबर-नवंबर 2020 के दौरान हुआ था। एसीसीसी (ACCC) की कमिश्नर एना ब्रेकी ने एक बयान में कहा, टेल्स्ट्रा का ग्राहकों को यह जानकारी न देना कि उनकी ब्रॉडबैंड सर्विस बदली गई है, इस वजह से ग्राहकों को यह तय करने का मौका ही नहीं मिला की बदली हुई इंटरनेट स्पीड उनकी जरूरतों के हिसाब से सही है भी या नहीं। रेगुलेटर ने शुक्रवार को कहा कि जुर्माने के अलावा, टेल्स्ट्रा ने या तो सभी प्रभावित ग्राहकों को मुआवजा दे दिया है या उन्हें कम अपलोड स्पीड प्लान पर प्रत्येक माह के लिए 15 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी लगभग 877 रुपये का क्रेडिट या भुगतान दिया जाएगा।

कौन है हमास का वो आखिरी कमांडर, जो गाजा डील पर लेगा फाइनल फैसला

गाजा। गाजा में इजराइल के साथ युद्ध विराम होगा या नहीं, यह सिर्फ एक शख्स के हाथ में है। वो शख्स है हमास का आखिरी कमांडर- इज अल दीन-हदाद। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति का जो प्रस्ताव दिया है, उस पर हमास की तरफ से इज अल दीन-हदाद को ही फैसला लेना है। हदाद अगर प्रस्ताव से सहमत होते हैं तो जंग रोकने की कवायद शुरू हो जाएगी।

द टेलीग्राफ के मुताबिक कतर और मिस्र के वार्ताकारों ने डोनाल्ड ट्रंप का शांति प्रस्ताव हदाद को सौंप दिया है। हदाद को जवाब देने के लिए अमेरिका की तरफ से 4 दिन का वक्त मिला है। इज अल दीन-हदाद हमास का आखिरी सैन्य कमांडर है। हमास को लेकर वर्तमान में सभी बड़े फैसले हदाद ही लेते हैं। याह्या सिनवार की हत्या के बाद हदाद को हमास की कमान मिली थी। हदाद को हमास के भीतर अबू सुहैब के नाम से भी जाना जाता है।

सुहैब हमास का संस्थापक सदस्य है। 1987 में वे हमास से जुड़ गए और तब से इजराइल के खिलाफ लड़ रहे हैं। सुहैब को मारने के लिए दर्जनों ऑपरेशन चलाए गए हैं, लेकिन सब नाकाम रहा है। सुहैब फिलिस्तीन की लड़ाई में अपना पूरा परिवार खो चुका है।

अक्टूबर 2023 में जब हमास और हिजबुल्लाह ने इजराइल पर एक साथ अटैक किया था। उस वक्त सुहैब को गाजा डिविजन की कमांड मिली थी। सुहैब ही पूरे मामले की देखरेख कर रहे थे। सुहैब को अंडरग्राउंड ऑपरेशन चलाने में माहिर माना जाता है। सुहैब गाजा से तुर्की और कतर की यात्रा अंडरग्राउंड तरीके से ही करते हैं।

ट्रंप के प्रस्ताव से नाराज हैं सुहैब

बीबीसी अरबी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि ट्रंप ने जो शांति समझौते का प्रस्ताव दिया है, उससे सुहैब नाराज हैं। सुहैब ने अपनी टीम के साथ मीटिंग में इस प्रस्ताव को नहीं मानने की बात कही है। सुहैब का कहना है कि युद्ध रुके या नहीं रुके, अमेरिका और इजराइल की कोशिश हमास को खत्म करने की है। डोनाल्ड ट्रंप ने जो 20 सूत्रीय प्रस्ताव दिया है, उसके मुताबिक जंग के खत्म होते ही हमास को हथियार डालने होंगे। हमास के लिए नए फिलिस्तीन में कोई जगह नहीं है। सुहैब के मुताबिक जब हमास को खत्म ही करना है तो हमास लड़कर खत्म होगा। हालांकि, मिस्र और कतर की कोशिश हमास को मनाने की है। कतर ने अमेरिका से इसको लेकर संपर्क भी साधा है।

बवाल के बाद घुटने पर शरीफ सरकार, बातचीत के लिए भेजा आठ सदस्यीय दल, दस लोगों की हो चुकी है मौत

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में बीते कई दिनों से चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते हालात बेकाबू और बेहद तनावपूर्ण बने हुए है। इन प्रदर्शनों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई से अब तक कम से कम दस लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। ऐसे में हिंसा के दिन-प्रतिदिन बढ़ते स्वरूप के मद्देनजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ हरकत में आते हुए नजर आ रहे है। इसके तहत उन्होंने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक उच्चस्तरीय वार्ताकार समिति को पीओजेके भेजा है।

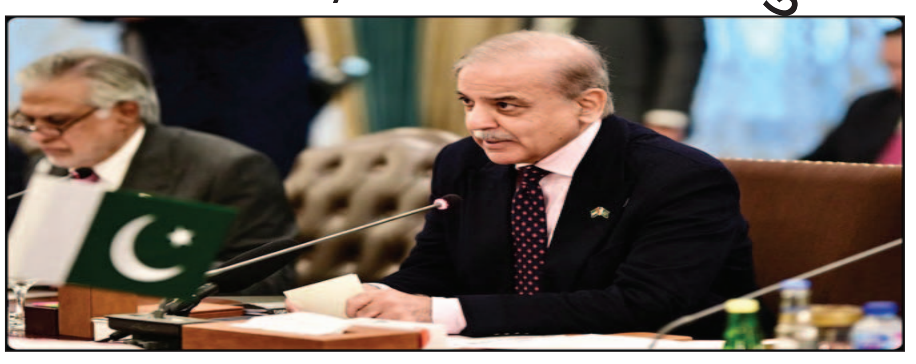

बता दें कि प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तरफ से भेजी गई आठ सदस्यीय समिति में केंद्रीय मंत्री अहसन इकबाल, आमिर मुकाम, सरदार मोहम्मद यूसुफ, राणा सनाउल्ला, डॉ. तारिक फजल चौधरी, पीपीपी के नेता राजा परवेज अशरफ, क़मर जमां कैरा पूर्व पीओजेके राष्ट्रपति सरदार मसूद खान और इनके साथ पीओजेके के प्रधानमंत्री चौधरी अनवरुल हक भी शामिल है।

किससे हो रही है वार्ता?

यह समिति जम्मू-कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) के प्रतिनिधियों से वार्ता कर रही है, जो वहां के जन आंदोलन का नेतृत्व कर रही है। वार्ता गुरुवार को मुख्य सचिव कार्यालय के कमेटी रूम में शुरू हुई और देर रात तक चली। शुक्रवार को भी बातचीत जारी रहने की उम्मीद है।

क्या है लोगो की मांग, पहले ये समझिए

अब पीओजेके के लोगों की मांग की बात करे तो जेकेजेएएसी के नेता शौकत नवाज मीर ने बताया कि पीओजेके के लोगों की प्रमुख मांगों में 12 रिफ्यूजी सीटों को खत्म करना, वीआईपी और एलीट वर्ग को मिलने वाली विशेष सुविधाएं बंद करना, जून 2019 के हाईकोर्ट के फैसले को लागू करना, हेल्थ कार्ड योजना लागू करना शामिल है। इसके अलावा, आंदोलनकारियों की मांग है कि मुजफ्फाराबाद, धिरकोट और अन्य इलाकों में मारे गए निर्दोष प्रदर्शनकारियों की हत्या के दोषियों को गिरफ्तार कर सजा दी जाए।

अब जानें कब और कैसे शुरू हुआ प्रदर्शन?

गौरतलब है कि प्रदर्शन पीओजेके में लगातार बढ़ती महंगाई, बिजली संकट और बुनियादी सुविधाओं की कमी के खिलाफ शुरू हुआ। आंदोलन ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें कई लोग मारे गए। गुरुवार को भी क्षेत्र में पूरी तरह शटर डाउन और व्हील-जाम हड़ताल रही। सोमवार से संचार सेवाएं भी ठप हैं। हालांकि गुरुवार को किसी नए हिंसक घटना की खबर नहीं आई।

करूर भदगड़ के लिए कौन जिम्मेदार? अनुराग ठाकुर ने सीएम स्टालिन को लिखा पत्र, उठाए कई सवाल

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के करूर में पिछले दिनों हुई भगदड़ को लेकर अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक तरफ जहां इस भगदड़ के लिए एक्टर विजय को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी ने स्टालिन सरकार से सवाल किया है कि करूर में रैली को लेकर प्रशासन की तरफ से क्या इंतजाम किए गए थे। इसको लेकर अनुराग ठाकुर एक पत्र भी लिखा है। इन सब बयानों के बीच सीएम स्टालिन ने कहा कि बीजेपी करूर भगदड़ का राजनीतिक फायदा लेने की कोशिश कर रही है।

करूर में हुई भदगड़ को लेकर बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को एक पत्र लिखा है। इस लेटर के जरिए उन्होंने भीड़ को लेकर किए गए इंतेजाम और उपायों की रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही ठाकुर ने इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाने की बात कही है।

अनुराग ठाकुर ने अपने पत्र में क्या लिखा?

बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर जो करूर गए बीजेपी-एनडीए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी हैं। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को पत्र लिखा है। उन्होंने पूछा कि अभिनेता-राजनेता विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ का जिम्मेदार कौन है?

उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इस स्थिति की पूरी तरह से जांच करें। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द एक रिपोर्ट मांगे, जिसमें घटना के हर पहलुओं को शामिल किया गया हो।

पत्र में अनुराग ठाकुर ने पूछे ये सवाल

भीड़ को कंट्रोल करने के लिए प्रशासन की तरफ से क्या इंतजाम किए गए थे।

शुरुआती जांच में इस भगदड़ के पीछे की वजह क्या है?

भविष्य में इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए क्या कर सकते हैं?

एनडीए के प्रतिनिधिमंडल ने किया था करूर का दौरा

करूर में हुई भगदड़ को लेकर बीजेपी ने एक प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है। इसमें अनुराग ठाकुर समेत कई नेता शामिल हैं। पिछले दिनों दल ने करूर का दौरान भी किया था। बीजेपी सांसद हेमा मालिनी इस 8 सदस्यीय दल की संयोजक हैं। इसके अलावा तेजस्वी सूर्या, ब्रज लाल, श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), अपराजिता सारंगी, रेखा शर्मा और टीडीपी सांसद महेश कुमार हैं।

रहें खबरदार, राहुल गांधी भारत विरोधी शक्तियों के लंबरदार...

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलंबिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला होने की बात कही, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने पलटवार किया। पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 140 साल पुरानी पार्टी पर 100 साल से एक ही परिवार का आधिपत्य रहा है। इस दौरान कांग्रेस के पतन और सत्ता नहीं मिलने के बदहवासी में अपनी आदत के अनुरूप विदेश की धरती से आपत्तिजनक बयान दिए गए हैं। ये कोई आश्चर्यजनक नहीं है। भारत विरोधी शक्तियों का जाने अनजाने में एक टूल बनता नजर आ रहा है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की विदेशी यात्रा में भारत विरोधी बयान की एक लंबी फेहरिस्त है। सितंबर 2017 से लेकर अक्टूबर 2025 के कोलंबिया में दिए भाषणों में उन्होंने ये सब किया है। एक भाषण लगभग सौ साल पहले चांटम हाउस में महात्मा गांधी ने दिया था और दूसरा बयान 2023 में उसी चैंटम हाउस में राहुल

गांधी के दिए भारत का विरोधी बयान को देख लीजिए। आज राहुल गांधी को भारत का डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन नहीं दिखता।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि स्टैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा भारत के तीव्र गति से आर्थिक प्रगति नहीं दिखती। राहुल गांधी को चैंटम हाउस ब्रिटेन की हालिया रिपोर्ट और वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट नहीं दिखता। यहां तक कि 2024 में ग्लोबल टाइम्स ने भारत के इकोनॉमिक रिफॉर्म की तारीफ नहीं दिखती। कांग्रेस में एक से एक बुद्धिमान लोग हैं, जो अपने अपने विषयों के विशेषज्ञ हैं। उनको नहीं बुलाया जाता है और राहुल गांधी को उसमें क्यों बुलाया जाता है?

'प्रतिपक्ष का नेता होना शूल की तरह'

उन्होंने कहा कि पी चिदंबरम, जयराम रमेश, मनीष तिवारी जैसे अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ नहीं बुलाए जाते इनको क्यों बुलाया जाता? मेरा उन लोगों से सवाल है कि आपको उनमें क्या नजर आता है जो भाषण के लिए विदेशों में बुलाते हैं। वो जब बाहर जाते हैं तो कुछ लेकर आते हैं, जो उन्हें दिया जाता है वो एक खास विषय लेकर आते हैं। मैं देश से कहना चाहता हूं, ये भारत विरोधी शक्तियों के लंबरदार बन चुके हैं, उनसे खबरदार रहने की जरूरत है। अभी विदेश से आकर भाषा को लेकर बांटने की कोशिश और लड़वाने का प्रयास करेंगे। ये उनके बयान में साफ दिख रहा है। राहुल गांधी का लोकतंत्र में प्रतिपक्ष का नेता होना शूल की तरह है।

कोंकणा स्टारर 'सर्च' का ट्रेलर रिलीज, मर्डर मिस्ट्री संग दिखा झूठ का जाल

कोंकणा सेन शर्मा संजीदा किरदारों को बखूबी निभाना जानती हैं। हाल ही में उनकी एक अपकमिंग सीरीज सर्च-द नैना मर्डर केस का ट्रेलर रिलीज हुआ। जिसमें वह एक पुलिस आफिसर के रोल में हैं, जो एक मर्डर मिस्ट्री को साल्व करने की कोशिश कर रही है।

कोंकणा सेन स्टारर इस सीरीज की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ ही शेयर की है। यह सीरीज जीयोहाटस्टार पर 10 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। यह सीरीज रोहन सिप्पी ने डायरेक्ट की है।

सीरीज सर्च-द नैना मर्डर केस के ट्रेलर में कोंकणा सेन शर्मा एक पुलिस आफिस के रोल में हैं। वह एक कालेज गर्ल की मर्डर मिस्ट्री को साल्व करने की कोशिश में लगी हैं। इस राह में उसके सामने कई चुनौतियां हैं। कई लोग शक के घेरे में हैं।

इस सीरीज में एक तरफ मर्डर मिस्ट्री को दिखा गया है। साथ ही केस को साल्व करने के दौरान कोंकणा सेन का किरदार डिजिटल दुनिया के खतरों से भी वाकिफ होता है। इस सीरीज में सोशल मीडिया के स्याह पक्ष को दिखाने की कोशिश की गई, जिसके जाल में यंगस्टर बुरी तरह फंस जाते हैं।

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना हारर कामेडी फिल्म थम्मा का तेलुगु ट्रेलर रिलीज़

रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना अभिनीत बहुप्रतीक्षित हारर कामेडी फिल्म थम्मा का तेलुगु ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित यह फिल्म रोमांस, कामेडी और रोमांच के मिश्रण से भरपूर एक रोमांचक सफ़र का वादा करती है। ट्रेलर एक खौफनाक पिशाच की दुनिया की झलक दिखाता है जहाँ नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी यक्षसन की भूमिका निभा रहे हैं, जो सालों से एक गुफा में फंसा एक खतरनाक पिशाच है।

फिल्म की कहानी यक्षसन की खोज के बाद आयुष्मान खुराना के पिशाच में बदलने के इर्द-गिर्द घूमती है। रश्मिका मंदाना एक पिशाच की भूमिका निभाती हैं जिसे नायक से प्यार हो जाता है, और दोनों की जोड़ी के बीच ज़बरदस्त केमिस्ट्री है। हालाँकि, उनकी अलग-अलग दुनिया के कारण उनका प्यार जटिल है। ट्रेलर नायक और खलनायक के बीच एक्शन दृश्यों के साथ एक शानदार अंत के साथ समाप्त होता है, जो एक मनोरंजक सफ़र का वादा करता है।

थम्मा दिवाली के तोहफे के रूप में 21 अक्टूबर, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ होने वाली है। यह फिल्म मैडाक फिल्म्स की हारर-कामेडी दुनिया का हिस्सा है और इस श्रृंखला की पाँचवीं रिलीज़ है। दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा निर्मित, इस फिल्म ने दर्शकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है। सुरेश प्रोडक्शंस इस फिल्म को तेलुगु में रिलीज़ करेगा, और निर्माताओं ने पहले ही तेलुगु ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें फिल्म की रोमांचक कहानी दिखाई गई है।

फिल्म में आयुष्मान के पिता की भूमिका निभाने वाले परेश रावल जैसे उल्लेखनीय कलाकार शामिल हैं, जो फिल्म के हास्य तत्वों को और बढ़ा देते हैं। हारर और कामेडी के अपने अनोखे मिश्रण के साथ, थम्मा दर्शकों के बीच हिट होने की उम्मीद है। फिल्म की पटकथा नीरेन भट्ट, अरुण फुलारा और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है, जो इसे एक बेहतरीन कहानी बनाती है।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का हाट अवतार! ट्रांसपेरेंट साइड कट गाउन में बिखेरा ऐसा ग्लैमर फैंस बोले- अप्सरा हो...

एंटरटेनमेंट की दुनिया की सबसे मशहूर पर्सनैलिटी स्टाइलिश और ग्लैमरस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी हाल ही में अपने नए लुक को लेकर सुर्खियों में हैं, उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं। टीवी इंडस्ट्री की सबसे स्टाइलिश और ग्लैमरस माम श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आजकल अपने फैशन सेंस से सबको हैरान कर रही हैं। अपनी मां की तरह ही पलक भी आए दिन अपने बोल्ड और हाट लुक्स से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं। हाल ही में उन्होंने एक ऐसा फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनका हुस्न देख फैंस ने उनकी तारीफों के पुल बांध दिए हैं।

पलक तिवारी ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह सी-ग्रीन कलर की एक बेहद खूबसूरत साइड कट गाउन में नजर आ रही हैं। यह गाउन उन पर इतना जंच रहा है, कि फैंस उन्हें अप्सरा कह रहे हैं।

इस गाउन के साथ पलक ने मिनिमल मेकअप और खुले बाल रखे हैं, जिससे उनका लुक और भी क्लासी और नेचुरल लग रहा है। उन्होंने कोई भारी-भरकम ज्वेलरी नहीं पहनी है, सिर्फ एक हल्का नेकलेस और ईयररिंग्स से अपने लुक को कंप्लीट किया है। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग लगा रही हैं, जिसपर फैंस लगातार कमेंट्स कर रहे हैं।

पलक की इन तस्वीरों को देख फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप बिल्कुल अप्सरा जैसी लग रही हो। वहीं, एक और यूजर ने कमेंट किया, पलक ने तो अपनी मां श्वेता तिवारी को भी पीछे छोड़ दिया, क्या खूबसूरती है! कुछ लोग तो यह भी कह रहे हैं, कि उनके सामने बालीवुड की बड़ी-बड़ी हीरोइनें फीकी लगती हैं।

पलक तिवारी को गायक हार्डी संधू के पापुलर गाने बिजली-बिजली से जबरदस्त पहचान मिली थी। इस गाने में उनका डांस और एक्सप्रेशंस फैंस को इतने पसंद आए थे, कि वह रातों-रात स्टार बन गईं थीं, इस गाने के बाद से ही पलक के पास कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों के आफर आने लगे।

पलक तिवारी को गायक हार्डी संधू के पापुलर गाने बिजली-बिजली से जबरदस्त पहचान मिली थी। इस गाने में उनका डांस और एक्सप्रेशंस फैंस को इतने पसंद आए थे, कि वह रातों-रात स्टार बन गईं थीं, इस गाने के बाद से ही पलक के पास कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों के आफर आने लगे।

पलक तिवारी ने अपनी मां श्वेता तिवारी की तरह ही एक्टिंग में अपना करियर शुरू कर दिया है। उन्होंने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बालीवुड में डेब्यू किया था। इसके अलावा वह और भी कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं।

हाल ही में पलक की फिल्म द भूतनी सिनेमा घरों में रिलीज हुई थी, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिलहाल, पलक अपनी एक्टिंग स्किल्स के साथ-साथ अपने फैशन सेंस और फिटनेस को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com